जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, रविवार 25 जनवरी, 2026

बुकिंग के बाद रसीद नहीं

घर की चाबी भी लेकर जाओ

केडिया सेजस्थान में हो चुका है

पजेशन शुरू

अब हर महीने रेट बढ़ेंगी...

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट छोटी-छोटी प्राइस में

कोठी ₹4700/ Sq Ft से शुरू

वॉक-अप अपार्टमेंट ₹4000/ Sq Ft से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

वनों की प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्राकृतिक जलवायु समाधान अपरिहार्य हैं

वन प्रतिरोधक क्षमता का तात्पर्य है कि वन किस हद तक प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभावों से उबर सकते हैं। यह क्षमता उन वनों को परिभाषित करती है जो संकटों का सामना कर पुनः अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति को बनाए रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है जैसे जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं। प्रतिरोधक क्षमता वाले उष्णकटिबंधीय वन वे हैं जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे तूफान, सूखा, आग आदि के बाद भी तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। इसके उदाहरण के रूप में अमेज़न वर्षावन को देखा जा सकता है जो कई दशकों से कई प्रकार के संकटों का सामना करते हुए भी अपने जैव विविधता को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। इन वनों की पहचान करने के लिए वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों का उपयोग करते हैं जैसे वनस्पति का घनत्व, प्रजातियों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता।

वन प्रतिरोधक क्षमता का महत्व कई कारणों से है। सबसे पहले, यह वन संरक्षण में सहायक होती है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण करने से अन्य वनों की तुलना में इनकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना आसान होता है। वन बहाली में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। प्रतिरोधक वनों का महत्व कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भी होता है। ये वन जल चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही, प्रतिरोधक वनों में फूलों और जीवों की विविधता अधिक होती है, जिससे जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलती है। कार्बन अवशोषण में भी प्रतिरोधक वनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये वन अधिक कार्बन को अवशोषित कर वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु समाधान के रूप में महत्वपूर्ण है।

स्थिरता की दृष्टि से भी प्रतिरोधक वन महत्वपूर्ण होते हैं। ये वन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण–पूर्व एशिया के वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। इसके अलावा, पर्यटन के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होती है। वे वन संरक्षण और बहाली में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

वनों और वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बचाना एक प्राकृतिक जलवायु समाधान है। ये वन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। इसलिए, इन वनों का संरक्षण और बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता, जिसे पारिस्थितिक प्रतिरोधक क्षमता के रूप में भी समझा जाता है, वन पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह वन पारिस्थितिकी तंत्र की उस क्षमता को दर्शाती है जो उसे प्राकृतिक और मानवजनित खतरों से उबरने में सक्षम बनाती है। जैसा कि पहले कहा गया है, इसमें तूफान, सूखा, आग, कीट संक्रमण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। प्रतिरोधक क्षमता के बिना, वन पारिस्थितिकी तंत्र इन खतरों के सामने अस्थिर हो सकते हैं और अपनी पारिस्थितिकीयकार्यक्षमताओं को खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न के वर्षावन जो कि विश्व के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है,ने कई प्राकृतिक और मानवजनित खतरों का सामना किया है। इसके बावजूद,अपनी जैव विविधता को संरक्षित रखा है और यही इसकी उच्च प्रतिरोधक क्षमता का संकेत है।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है।

प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक मानदंडों का उपयोग किया जाता है। इनमें जैव विविधता, वनस्पति संरचना, और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं शामिल हैं। जैव विविधता प्रतिरोधक क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है क्योंकि विविध प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। वनस्पति संरचना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुसंगठित वन संरचना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन ने दिखाया कि उच्च जैव विविधता वाले वन सूखा के प्रभावों से तेजी से उबरते हैं।

प्रतिरोधक वनों का संरक्षण वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्थायित्व को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संरक्षण न केवल जैव विविधता को बनाए रखता है बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बनाए रखता है जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। वन बहाली के संदर्भ में, प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और ये तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की बात करते हैं। एक उदाहरण के रूप में, मध्य अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में वन बहाली परियोजनाओं ने दिखाया है कि उच्च प्रतिरोधकता वाले वन तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं और अधिक कार्बन का अवशोषण करते हैं।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय वनों में कार्बन संठाहण की क्षमता उच्च होती है, विशेषकर जब वे उच्च जैव विविधता वाले होते हैं। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

स्थानीय समुदायों की आजीविका के संदर्भ में भी प्रतिरोधक वनों का महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल, और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण–पूर्व एशिया के वनों में रहने वाले समुदाय अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, पर्यटन भी इन वनों से जुड़ा हुआ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण स्थानीय समुदायों को स्थायी आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय वन संरक्षण और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाना महत्वपूर्ण है ताकि लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में सक्रिय भाग ले सकें।

अंत में, उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व कोसमझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो वन पारिस्थितिक तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता का महत्व न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी है। जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रतिरोधक क्षमता के मुख्य घटक हैं। उष्णकटिबंधीय वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और नीतियों के माध्यम से हम उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

वन प्रतिरोधक क्षमता उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिक तंत्र में विनाशकारी परिवर्तनों से बचाव कर सकती है। परिवर्तन सामान्य है, लेकिन यह अचानक और कठोर विपरीत स्थिति में परिवर्तित हो सकता है। हालांकि विभिन्न घटनाएँ ऐसे परिवर्तनों को उत्प्रेरित कर सकती हैं, अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

यूएपीए मास्टरमाइंड को जेल और प्यादे को ज़मानत

सूर्य प्रतापसिंह राजावत

हाल ही में 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ा एक बड़ा साज़िश का मामला, जिसमें 54 लोगों की जान चली गई थी, दो आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को ज़मानत न मिलने के कारण काफी चर्चा में है, जिन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए 1967), आइपीसी और अन्य कानूनों के तहत चार्जशीट दायर की गई है। यह बात शायद सोशल मीडिया पर किसी का ध्यान नहीं गया होगा, लेकिन वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे, रिटायर्ड जस्टिस मदन बी लोकुर और रिटायर्ड जस्टिस सुधांशु धूलिया के एक पैनल ने, जिसके मॉडरेटर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल थे, इस पर चर्चा की। ये सभी सुप्रीम कोर्ट से जुड़े हैं। कपिल सिब्बल ने इस पैनल चर्चा को वायरल किया, जो कई सवाल और आरोप उठाती है, क्योंकि इस बहस को इस तरह की बातों से नुकसान पहुँचाया गया कि अगर कपिल सिब्बल अपने क्लाइंट के लिए ज़मानत नहीं दिलवा पाते हैं, तो बेंच अच्छी नहीं है। पैनल में यह कहने की हिम्मत थी कि जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया वाली इस बेंच को इतने महत्वपूर्ण मामले को नहीं देखना चाहिए था। चर्चा यह थी कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को भविष्य में इस पहलू पर ध्यान देना चाहिए। पैनल में ईमानदार चर्चा की कमी थी। अगर सिब्बल ने प्रॉसिक्यूशन के वकील को बुलाया होता तो स्वस्थ कानूनी विचार–विमर्श भारत के सभी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता था। पैनल चर्चा से ऐसा लगता है कि ऐसे नए दर्शकों को, जिन्हें आपराधिक न्यायशास्त्र का कानूनी ज्ञान नहीं है, यह बताया और मनवाया जा रहा है कि न्यायपालिका पतन की स्थिति में है। यह वीडियो कोर्ट को डराने और उसकी अवमानना के सभी तत्वों को पूरा करता है। सुप्रीम कोर्ट की मीडिया ट्रायल के बादलों को हटाने के लिए फैसले की कानूनी रीडिंग और बड्र्स व्यू ज़रूरी है। न्यायपालिका संस्था में भारत के लोगों का विश्वास जगाने के लिए कानूनी बिरादरी का यह कर्तव्य है कि वे फैसले की मुख्य बातों को सामने लाएं। फैसला साफ तौर पर लॉजिकल हेडिंग्स के साथ लिखा गया है। मौजूदा चर्चा के लिए मुख्य चार बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

1. लंबे समय तक जेल और अनुच्छेद 21 के तहत संवैधानिक दलील – एन के नजीब, गुरविंदर सिंह, दयामणि मायमोनी के मामलों में रेशियो डेसीडेंडी की सराहना करते हुए, कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 21 को उन मामलों में खालीपन में नहीं समझा जा सकता जहां आरोप यूएपीए जैसे विशेष कानून के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता से संबंधित हैं। फैसले में कहा गया है कि सेक्शन 207 सीआरपीसी के तहत पालन के चरण में, कुछ आरोपियों ने कॉपी लेने से इनकार कर दिया और प्री–चार्ज चरण में देरी में योगदान दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जमानत के लिए सिर्फ देरी के तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया क्योंकि व्यक्तिगत अधिकार को सामूहिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया जाना है। इसलिए लंबे समय तक जेल में रखने के पैरामीटर को यांत्रिक रूप से लागू नहीं किया जा सकता है।

2. यूएपीए केसेक्शन 43डी (5) का वैधानिक ढांचा और जमानत के चरण में न्यायिक जांच का दायरा – फैसले में कहा गया है कि यूएपीए एक्ट के अध्याय 4 और 6 आपराधिक दायित्व को केवल आतंकवादी कृत्य के अंतिम निष्पादन तक सीमित नहीं करते हैं। वे तैयारी, सुविधा, उकसाने और साजिश तक अपराध को बढ़ाते हैं, यह मानते हुए कि कानून द्वारा संबोधित किया जाने वाला खतरा अक्सर हिंसा के किसी भी खुले कृत्य से बहुत पहले ही सामने आ जाता है। इस प्रकार यूएपीए कानून अपराध की घटना–आधारित अवधारणा के बजाय प्रक्रिया–आधारित अवधारणा पर आगे बढ़ता है। धारा 43डी (5) की एक खास बात इसमें "ऐसे व्यक्ति" का साफ तौर पर ज़िक्र है। ऐसी जांच ज़रूरी है जो केस पर नहीं, बल्कि आरोपी पर आधारित हो।

3. यूएपीए की धारा 15 के तहत "आतंकवादी कृत्य" का दायरा और वैधानिक संदर्भ – फैसले में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि धारा 15 के तहत बताए गए परिणाम आतंकवाद के बारे में विधायी समझ को स्पष्ट करते हैं। मृत्यु या संपत्ति के विनाश के अलावा, यह प्रावधान स्पष्ट रूप से ऐसे कृत्यों को भी शामिल करता है जो समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक आपूर्ति या सेवाओं को बाधित करते हैं, साथ ही ऐसे कृत्य जो राष्ट्र की आर्थिक सुरक्षा को खतरा पहुंचाते हैं। यह संसद की इस मान्यता को दर्शाता है कि संप्रभुता और सुरक्षा के लिए खतरे ऐसे आचरण से उत्पन्न हो सकते हैं जो नागरिक जीवन या सामाजिक कामकाज को अस्थिर करते हैं, भले ही तत्काल शारीरिक हिंसा न हो। अधिनियम आगे यह भी मानता है कि ऐसे कृत्य सामूहिक और समन्वित प्रयास का परिणाम हो सकते हैं, जैसा कि धारा 18 साजिश, प्रयास, उकसाने, सलाह देने, भड़काने और आतंकवादी कृत्य को जानबूझकर सुविधाजनक बनाने, साथ ही इसे करने की तैयारी के कृत्यों को दंडनीय बनाती है। इस प्रकार वैधानिक योजना यह मानती है कि आतंकवादी गतिविधि में एक सामान्य गैरकानूनी उद्देश्य की ओर अलग–अलग भूमिकाएं निभाने वाले कई लोग शामिल हो सकते हैं।

4. मुख्य साजिशकर्ताओं और दूसरों के साथ व्यक्तिगत भूमिका और व्यवहार में अंतर – फैसले में चर्चा की गई है कि साजिश का कानून बताता है कि कैसे कई व्यक्ति, अलग–अलग स्तरों पर और अलग–अलग समय पर काम करते हुए, एक सामान्य योजना से बंधे हो सकते हैं। यह सिद्धांत दायित्व के प्रश्न का उत्तर देता है। यह अपने आप में इस अलग प्रश्न का उत्तर नहीं देता है कि प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता को अपराध साबित होने से पहले कितने समय तक और किस आधार पर प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए जमानत का फैसला अनिवार्य रूप से एक अलग स्तर पर होता है। इसके लिए अदालत को यह देखना होता है कि प्रत्येक आरोपी पर क्या आरोप लगाए गए हैं, वह आरोप वैधानिक तत्वों में कैसे फिट बैठता है, और क्या उस स्तर पर निरंतर हिरासत कानून द्वारा मान्यता प्राप्त वैध उद्देश्य को पूरा करती है। यह अभ्यास साजिश के अभियोजन मामले को खत्म नहीं करता है। यह केवल यह सुनिश्चित करता है कि मुकदमे से पहले की हिरासत मनमानी या स्वचालित न हो, और वैधानिक प्रतिबंध तर्क, अनुपात और व्यक्तिगत आरोप के प्रति निष्ठा के साथ संचालित हो।

फैसले में इस बात पर भी ज़ोर दिया गया है कि यह अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त है कि अनुच्छेद 21 के अधिकार, हालांकि पूर्ण नहीं हैं, राज्य और अदालत को अपने सामने मौजूद विशिष्ट व्यक्ति के संबंध में निरंतर हिरासत को सही ठहराने की आवश्यकता होती है। सभी आरोपियों के साथ उनकी भूमिकाओं की परवाह किए बिना समान व्यवहार करने से मुकदमे से पहले की हिरासत को व्यक्तिगत परिस्थितियों से अलग एक दंडात्मक तंत्र में बदलने का जोखिम होगा। संवैधानिक जनादेश एक अलग तरह की जांच की मांग करता है: जहां लंबे समय तक हिरासत उन लोगों पर बहुत ज़्यादा बोझ डालती है जिनकी भूमिका सीमित है, वहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामूहिक सुरक्षा के बीच संतुलन के लिए सशर्त रिहाई की ज़रूरत हो सकती है, जबकि यही संतुलन उन लोगों के लिए अलग तरह से झुक सकता है जिन पर अपराध को अंजाम देने का आरोप है। प्रबंधकीय ज़िम्मेदारी और सहयोगी या बाहरी आचरण के माध्यम से दूसरों की भागीदारी के लिए ज़िम्मेदार आरोपियों के बीच उचित वर्गीकरण है। इसलिए, मास्टरमाइंड जो संख्या में दो हैं, उनके लिए जेल और बाकी पांच लोगों के लिए ज़मानत। इसलिए, बिना किसी कठिनाई के यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि फैसला अपने आप में सब कुछ कहता है, क्योंकि यह जैसे विशेष कानून और अनुच्छेद 21 की संवैधानिक दलील के साथ–साथ साज़िश के कानून और लंबे समय तक कारावास को ध्यान में रखते हुए ज़मानत याचिका के फैसले के लिए दिशानिर्देशों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि मास्टरमाइंड को जेल और प्यादे को ज़मानत।

सूर्य प्रतापसिंह राजावत
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर।

खाली सीटें और खोखली व्यवस्था

प्रो. अशोक कुमार

भारतीय चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में वर्ष 2025 एक टर्निंग पॉइंट, निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज होगा। दशकों तक हमने मेडिकल सीटों की कमी का विलाप किया, लेकिन आज नीट, पी जी और सुपर–स्पेशियलिटी की लगभग 20 प्रतिशत सीटों का खाली रह जाना एक नई और भयावह कहानी बयां कर रहा है। यह रिक्तता केवल सीटों की संख्या नहीं, बल्कि उस विश्वास की रिक्तता है जो एक छात्र अपनी शिक्षा व्यवस्था पर करता है।

इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू कट–ऑफ पर्सेंटाइल में की गई भारी कटौती है। सीटों को भरने की हताशा में नियामक संस्थाओं ने पात्रता के मानकों को इतना नीचे गिरा दिया है कि अब शून्य या उसके निकट अंक पाने वाले भी विशेषज्ञता की दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

पर्सेंटाइल कम करना इस बात का स्वीकार है कि व्यवस्था अब योग्य डॉक्टर बनाने के बजाय केवल सीटें भरने और राजस्व बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जब प्रवेश का मापदंड योग्यता के बजाय केवल सीट भरने की औपचारिकता रह जाता है, तो चिकित्सा जैसे संवेदनशील पेशे की बौद्धिक और नैतिक नींव हिल जाती है। यह उन मेधावी छात्रों के साथ भी अन्याय है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की तलाश में हैं। पिछले दशक में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। कागजों पर यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन धरातल पर सच्चाई इसके विपरीत है। चिकित्सा शिक्षा का आधार क्लिनिकल एक्सपोज़र (मरीजों के साथ अनुभव) है। आज कई कॉलेजों में शानदार इमारतें तो हैं, पर वार्ड खाली हैं। छात्र समझ चुके हैं कि डिग्री भले ही पैसे या कम पर्सेंटाइल से मिल जाए, पर पेशेवर विश्वसनीयता केवल मरीजों के बीच रहकर ही अर्जित होती है।

■ मेडिकल शिक्षा का बदलता यथार्थ

एनाटॉमी, फिज़ियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री जैसे आधारभूत विषयों में पीजी की सीटें खाली पड़ी हैं। इन क्षेत्रों में करियर के सीमित अवसर और कम सामाजिक सम्मान ने इन्हें प्राथमिकता सूची से बाहर कर दिया है। मानकों में ढील देकर सेवानिवृत्त शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति ने इस क्षेत्र में शिक्षण–प्रशिक्षण की जीवंतता को समाप्त कर दिया है।

निजी मेडिकल कॉलेजों में घोस्ट फैकल्टी (कागजी शिक्षक) और निरीक्षण के समय खड़े किए गए नकली मरीज एक खुला रहस्य हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन के प्रयासों के बावजूद, यह भ्रष्टाचार शिक्षा की गुणवत्ता को खानापूर्ति तक सीमित कर रहा है। जब छात्र देखते हैं कि उनके शिक्षक ही वहां स्थायी नहीं हैं, तो उनका मोहभंग होना स्वाभाविक है।

समाधानः व्यवस्था के पुनरुद्धार का मार्ग इस खोखली होती व्यवस्था को बचाने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक जैसे सुधारों की आवश्यकता हैः

सीटें भरने के लिए पर्सेंटाइल को न्यूनतम स्तर पर ले जाने की प्रवृत्ति को रोकना होगा। पात्रता के मानक ऊंचे होने चाहिए ताकि विशेषज्ञ डॉक्टरों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। यदि सीटें खाली रहती हैं, तो यह व्यवस्था के लिए आत्मचिंतन का विषय होना चाहिए, न कि मानकों को गिराने का बहाना। नेशनल मेडिकल काउंसिल को मान्यता का आधार केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को नहीं, बल्कि एक्चुअल बेड ऑक्यूपेंसी और लाइव सर्जरी डेटा को बनाना चाहिए। डिजिटल मॉनिटरिंग और बायोमेट्रिक उपस्थिति को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के लागू करना अनिवार्य है। इन विषयों को आकर्षक बनाने के लिए विशेष रिसर्च ग्रांट और उच्च वेतनमान देना होगा। विशेषज्ञों को फार्मास्युटिकल रिसर्च और पब्लिक हेल्थ पॉलिसी में प्राथमिकता देकर उनके करियर के दायरे को विस्तार देना होगा। युवा डॉक्टरों को शिक्षण की ओर आकर्षित करने के लिए बेहतर कार्य वातावरण देना होगा। सेवानिवृत्त शिक्षकों पर निर्भरता कम कर युवा ऊर्जा को प्राथमिकता देनी होगी। निजी कॉलेजों में शिक्षा के बाजारीकरण और छिपे हुए खर्चों को रोकना होगा। एक पारदर्शी और किफायती फीस ढांचा (2020 के अनुरूप) सुनिश्चित करना होगा ताकि मेधावी छात्र केवल आर्थिक कारणों से अच्छी सीटों से वंचित न रहें।

निष्कर्ष--खाली सीटें और गिरता पर्सेंटाइल इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय मेडिकल छात्र अब डिग्री की भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय दक्षता को चुन रहा है। यह व्यवस्था के लिए अंतिम चेतावनी है। यदि हमने मेडिकल कॉलेजों को केवल डिग्री बांटने वाली फैक्ट्रियां बने रहने दिया, तो भविष्य में संकट सीटों की कमी का नहीं, बल्कि भरोसे की कमी का होगा। सच्चा समाधान सीटों की संख्या बढ़ाने में नहीं, बल्कि सीटों को गुणवत्ता/योग्यता से भरने में है।

–प्रो. अशोक कुमार,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

अंधकार में भी प्रकाश की यह किरण

अभिरुचि शर्मा

पहली वर्षा और धरती की सौंधी महक का सहज–स्वभाविक नाता है। आषाढ़ की पहली बूंद धरती पर गिरते ही धरती का सौंधापन स्वतः बाहर निकल आता है। उस दिन भी कुछ ऐसा ही वाकया मेरे साथ हुआ–दो युवा विद्यार्थी आकाश में बने इन्द्रधनुष को देख अचरज से अचंभित हो कह रहे थे कि कितना बड़ा इन्द्रधनुष!

अवध नाम के भवन के बाहर हरी–भरी वाटिका के पास खड़े यह विद्यार्थी मुझे बेहद जिज्ञासु और उत्सुक जान पड़े। आम, नीम, जामुन, मौलश्री और अनेक लताओं से आच्छादित यह वाटिका भवन मुझे बेहद दिव्य और अनुपम जान पड़े। मेरे कदम स्वतः स्फूर्त उधर ही बढ़ चले। शंका और संकोच से जब मैंने अंदर झांका तो अवाक रह गई। मानों हम भारत के लोग विश्व का पालन–पोषण और संरक्षण करने वाली एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होकर समस्त भू–मंडल एवं ब्रह्माण्ड को शांति, समृद्धि, समरसता और परस्पर पूरकता से भर रहे हों। वहाँ बहुत ही अनुशासित उन जैसे 15–20 विद्यार्थी अपने–अपने अध्ययन–ध्यान में इतने निमग्न थे कि मुझे लगा जैसे मैं महर्षि जाबालि के आश्रम में पहुंच गई हूँ, क्योंकि किसी भी देश का संपूर्ण भविष्य उसके प्रबुद्ध वर्ग पर निर्भर होता है और यही वर्ग ईमानदार, कर्मठ, स्वतंत्र और निष्पक्ष है तो उस पर भरोसा किया जा सकता है कि वही सही समय पर देश को उचित नेतृत्व प्रदान करेगा।

इसी अभिरुचि से, त्याग से, तत्परता से, कर्मठता से युवा वर्ग जब देश के दमित और दरिद्र वर्ग की बाँह पकड़ अपने बाहुबल का सहारा देकर उठ खड़े होने का संबल दे तो सहजता, समानता स्वर्णिम हो उठेगी। ऐसा लगा जैसे अफलातून ने ऐथेंस के निकट अपने दर्शन शास्त्र के स्कूल की स्थापना की हो तथा जिसका नाम ऐकेडेमस रखा हो। ये विद्यार्थी वह प्रतियोगी परीक्षार्थी थे जो अपने–अपने गाँव छोड़कर महानगर में परीक्षा की तैयारी के लिए आये थे। इनका इतना दत्तचित होकर अध्ययन, मनन–चिंतन देखकर कोई भी अभिभूत हो जाएगा। ये विद्यसर्थी ना केवल अपनी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे वरन दलित–दमित कचरा बीनने वाले बच्चों को कुछ समय देकर अक्षर ज्ञान, गिनती–पहाड़े, अंग्रेजी भी सिखा रहे थे, साथ ही स्वच्छता का पाठ भी पढ़ा रहे थे। यही मानवता के लिए जीने–मरने और कुछ कर गुजरने का श्रेष्ठत्तम ढंग है क्योंकि इसी सोच में श्वास लेकर परिश्रम और तकनीकी के माध्यम से वैभव प्राप्त किया जा सकता है। इस अंधकार में भी प्रकाश की जो यह किरण प्रगट हुई है उससे निश्चित ही एक दिन भारत सहित समस्त भू–मंडल आलोकित होगा। यह दायित्व बोध जाग्रत होना सामान्य–सी दिखाई देने वाली एक असाधारण ईश्वरीय घटना है, यही हमारी सुख की अनुभूति करने का बीज मंत्र है। हम पुनः अपने भावलोक सृष्टि को सुखद, समरस न्याय परायण और समृद्ध बनाने में सफल हो सकें यही नियति का निर्देश है और इसी में राष्ट्र और विश्व का मंगलमय भविष्य निहित है क्योंकि व्यक्तिगत विजय सार्वजनिक विजय से पहले आती है, अतः आत्मनियंत्रण और आत्म अनुशासन ही अच्छे संबंधों की आधारशिला है।

यह असाधारण अनुभव मेरे लिए मानो स्थाई हो गया। यही मानवता के लिए जीने–मरने और कुछ कर गुजरने का श्रेष्ठतम ढंग है। यह कहना सर्वथा तर्क सम्मत है कि अब भारत के राम ने भारत की कमान संभाल ली है।

–अभिरुचि शर्मा,
स्वतंत्र लेखिका

राशिफल रविवार 25 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र दिन 1:36 तक, सिद्ध योग दिन 11:46 तक, गर करण दिन 11:55 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:36 से मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–मकर, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मकर, बुध–मकर, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग दिन 1:36 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:36 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 11:11 से आरम्भ होगी। आज सूर्य रथ सप्तमी, आारोग्य और अवला सप्तमी, भानु सप्तमी, मन्वादि, गंगा में अरुणोदय स्नान है। पंचक दिन 1:36 पर समाप्त होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:39 से 9:59 तक, लाभ–अमृत 9:59 से 12:39 तक, शुभ 1:59 से 3:19 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

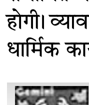

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

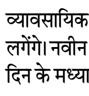

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

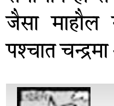

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

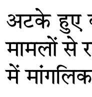

वृश्चिक
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

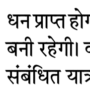

मीन
मनः स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 86 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 25 जनवरी, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल भी उस सुविधा के आरामदेह जाल में फंस गये हैं, जिसमें सोनिया गांधी फंसी थीं

सोनिया गांधी सदा इस बात से बचती थीं , कि पार्टी अपनी हार के कारणों पर गंभीरता से बहस करे, और यह तय हो कि, हार के लिये जिम्मेवार कौन था

- उस समय राहुल गांधी ने पुरजोर ढंग से कहा था, यह स्थिति अब नहीं चलेगी, तथा वे पूरी व्यवस्था बदल देंगे।
- राहुल का यह भी मानना है कि उनके सलाहकारों का समूह, सोनिया गांधी के सलाहकारों की कोर टीम से बेहतर है।
- पर, राहुल गांधी भी अब उस आराम के आदी हो गए हैं, जिसमें उन्हें कुछ करना नहीं पड़ता और किसी पर भी हार की जिम्मेवारी तय करके दंड या पारितोषिक नहीं देना पड़ता।
- और, राहुल ने पार्टी को चलाने की जिम्मेवारी अपने खास लोगों पर छोड़ रखी है। पर, पार्टी के लिए चिंता का विषय यह है कि, इन ''खास लोगों'' को राजनीतिक अनुभव नहीं, और ना ही उन्हें समझ है, आज की राजनीति के कड़े संघर्ष को गहराई से जांचने की।
- जबकि दूसरी ओर पार्टी का मुकाबला भाजपा व संघ के चुस्त व दुरुस्त संगठन से है। सोनिया जी के समय के, पुराने वरिष्ठ सलाहकार अब नहीं रहे, जिन्हें अनुभव था राजनीति निर्णय लेने का सामर्थ्य भी दे रखा था पार्टी में।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। लगातार हारों के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व अब तक हार की समीक्षा और जिम्मेदारी तय करने के मुद्दे पर उलझा हुआ है। पूर्व में पार्टी में इन हारों के लिए ''इनाम और सज़ा'' की बात हुई थी, पर कोई जवाबदेही तय नहीं की गई।

राहुल गांधी उस समय स्पष्ट थे कि यह सिस्टम जारी नहीं रह सकता और उन्होंने पूरा सिस्टम बदलने का वादा किया था। लेकिन अब राहुल और उनके नए सलाहकार, जो सोनिया गांधी की कोर टीम और पुराने सलाहकारों से बेहतर बताए जा रहे हैं, उसी जाल और उसी स्तर के आराम में फंस गए हैं।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, राहुल भी अब उसी आरामदायक स्तर पर हैं, जिस पर सोनिया गांधी थीं, जहाँ वे कुछ नहीं करके और बहुत सारी पराजयों के लिए किसी को जिम्मेवारी और जवाबदेही नहीं देकर खुश हैं।

दिलचस्प बात है कि सोनिया गांधी के समय पार्टी में बहुत ज्यादा अनुभवी और प्रभावशाली नेता मौजूद थे, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जो मुद्दे हैं उन्हें पार्टी नेतृत्व के साथ उठाना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- केरल के कांग्रेस नेताओं की दिल्ली में हुई मीटिंग में नहीं आने पर थरूर ने सफाई दी कि वे पार्टी के मंच पर ही इस बारे में बात करेंगे किसी और मंच पर नहीं।

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल विधानसभा चुनावों पर चर्चा के लिए दिल्ली में हुई कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक में अपनी अनुपस्थिति को लेकर सार्वजनिक अटकलों में पड़ने से साफ़ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पहले ही पर्याप्त चर्चा हो चुकी है और यदि कोई मुद्दा होगा भी, तो वह सीधे पार्टी नेतृत्व के समक्ष उठाया जाएगा।

केरल लिटरेचर फेस्टिवल में बोलते हुए तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद थरूर ने स्पष्ट किया कि वे पार्टी के अन्दरुनी मामलों को उठाने के लिए किसी सार्वजनिक मंच का उपयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं यहां कोई राजनीतिक घोषणा करने नहीं आया हूं। यह एक साहित्यिक उत्सव है। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें मुझे अपनी पार्टी के नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वंदे मातरम के दौरान भी सीधे खड़ा होना पड़ेगा

केन्द्र सरकार राष्ट्र गीत वंदे मातरम को राष्ट्र गान जन गण मन जैसा दर्जा देने की तैयारी में है

- राष्ट्र गान जन गण मन जब बजाया जा रहा हो तब खड़े होना अनिवार्य है और इसके लिए प्रिवैंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट बनाया गया है, पर वंदे मातरम में ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। केन्द्र सरकार वंदे मातरम को भी राष्ट्र गान, जन गण मन जैसा दर्जा देने की तैयारी में है।
- इस सम्बध में गृह मंत्रालय की उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। चर्चा है कि भाजपा सरकार बंगाल चुनावों के मद्देनजर वंदे मातरम के मुद्दे को छोड़ना नहीं चाहती है और इस आधार पर वोटों के ध्रुवीकरण की उम्मीद कर रही है।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जनवरी। क्या भारत के राष्ट्र गीत को राष्ट्रीय गान के समान दर्जा और सम्मान मिलना चाहिए?

इस महीने की शुरुआत में गृह मंत्रालय ने एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम्'' को राष्ट्र गान के समान सम्मान सुनिश्चित करने के लिए एक विधिवत प्रस्ताव तैयार करना था।

वर्तमान समय में, दोनों गीतों के लिए कानूनी और अनिवार्य प्रोटोकॉल में एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है। उदाहरण के लिए, जब राष्ट्र गान बजाया जाता है तो खड़ा होना अनिवार्य है और ऐसा न करने या इनकार करने पर ''प्रीवेन्शन ऑफ इन्सल्ट्स नैशनल ऑनर एक्ट, 1971'' के तहत दंड का प्रावधान है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय गीत के बजने पर खड़ा होना अनिवार्य बनाने वाला कोई लिखित नियम या कानूनी बाध्यता फिलहाल मौजूद नहीं है।

वंदे मातरम् पर भाजपा सरकार का नया जोर आगामी विधानसभा चुनावों, विशेषकर पश्चिम बंगाल में, हिंदू मतों के एकीकरण की पार्टी की राजनीतिक रणनीति के अनुरूप देखा जा रहा है। इस गीत को लेकर ऐतिहासिक, धार्मिक और राजनीतिक व्याख्याओं से जुड़े विवाद लंबे समय से रहे हैं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उनके उपन्यास ''आनंद मठ'' से लिया गया है और इसमें कुल छह अंतरे (स्टैन्ज़ा) हैं, जिनमें हिंदू देवी की छवियां शामिल हैं। पार्टी के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को ध्यान में रखते हुए, कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 की बैठक में केवल पहले दो अंतरों के प्रयोग का निर्णय लिया था, क्योंकि बाद के अंतरे मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों को अलग-थलग कर सकते थे।

यह विवाद पिछले वर्ष गीत की 150वीं वर्षगांठ पर फिर से उभरा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तर्क दिया कि कांग्रेस द्वारा गीत को संक्षिप्त किए जाने का देश के विभाजन में योगदान रहा। कांग्रेस ने इस निर्णय का बचाव करते हुए इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम बताया। कुछ मुस्लिम विद्वानों, जैसे मौलाना अरशद मदनी, ने कहा है कि वे राष्ट्रीय गीत का सम्मान करते हैं, लेकिन, एकेश्वरवाद से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं के कारण, इसके सामूहिक गायन में भाग नहीं ले सकते।

1905-08 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान ''वंदे मातरम्'' एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुरानों पर संदेह है और नयों पर भरोसा नहीं हो रहा

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सेना के उच्च पदों पर तैनात अपने पुराने साथियों को हटा रहे हैं, पर उनकी जगह नई नियुक्तियां नहीं कर पा रहे हैं

- हाल ही में शी ने अपने पुराने साथी और बेहद वफादार रहे जनरल झांग को पद से हटा दिया, वे चीन के सर्वशक्तिमान सैंट्रल मिलिटरी कमिशन के वाइस चेयरमैन थे।
- जनरल झांग और शी की राजनैतिक व सामाजिक पृष्ठभूमि एक जैसी थी इसीलिए जनरल झांग शी के बेहद विश्वासपात्र बन गए। लेकिन शी ने भ्रष्टाचार के संदेह में जनरल झांग को हटा दिया है।
- असल में शी ज़िनपिंग ने चीन की सेना का शुद्धिकरण शुरु किया है, क्योंकि, भारी भ्रष्टाचार की खबरें मिल रही थीं पर इससे सेना के उच्चस्तर पर एक खालीपन सा आ गया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। चीन ने अपने सबसे बड़े सैन्य अधिकारी को हटा दिया है। यह कदम राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा चलाए जा रहे उस कठोर अभियान का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें उन सभी लोगों को हटाया जा रहा है, जो राजनीतिक रूप से या सत्ता के लिहाज से उनके संभावित प्रतिद्वंद्वी हो सकते हैं।

जनरल झांग योउशिया, जो अब तक चीन के अत्यंत शक्तिशाली सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सी.एम.सी.) के उपाध्यक्ष थे, को हटाए जाने के बाद इस सात सदस्यीय शीर्ष सैन्य संस्था में अब केवल एक ही अन्य सदस्य बचा है। यही संस्था चीन की विशाल सेना को नियंत्रित करती है।

शी जिनपिंग ने एक के बाद एक सबसे ताकतवर सैन्य अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। लगातार चल रही इन कार्रवाहियों में कई शीर्ष सैन्य कमांडरों को पद से हटाकर जेल या हिरासत शिविरों में भेजा गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरुर ने कैनडा के प्र.मंत्री की चेतावनी का समर्थन किया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को सुझाव दिया कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में भारत को कैनडा के प्रधानमंत्री की 'जीवित बने रहने' की अपील से सीख लेनी चाहिए।

- थरुर ने कहा, आज विश्व की व्यवस्था जिसकी लाठी उसकी भैंस पर आधारित है, नियम टूटते जा रहे हैं। भारत को भी कैनडा के प्र.मंत्री की चेतावनी पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस सप्ताह दावोस की बर्फीली पृष्ठभूमि में कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ऐसा भाषण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'10 साल में ए.आई. के उपयोग से भारत की आय में 45 लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा'

जानी मानी कॉरपोरेट सलाहकार व ''चारटर्ड एकाउन्टैंट'' कम्पनी प्राइस वॉटर हाऊस (पी.डब्ल्यु.सी.) का यह आंकलन भारत के लिये बहुत उत्साह वर्धक है

- इस आंकलन का पूरा महत्व समझने के लिये यह जानना जरुरी है, कि देश के बजट में खर्चे का आंकड़ा वर्तमान में कुल 50 लाख करोड़ है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। प्राइस वॉटरहाउस कूपर्स (पी.डब्ल्यु.सी.) इंडिया ने एक व्यापक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई) फ्रेमवर्क पेश किया है, जिसका अनुमान है कि यह टैक्नॉलजी, सन् 2035 तक, पांच मुख्य सेक्टर्स में, नॉमिनल कीमतों पर भारत के लिए लगभग 550 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 45 लाख करोड़ रुपये) का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य पैदा कर सकती है। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, यह देखते हुए कि खर्च के मामले में भारत के सालाना बजट का आकार 50 लाख करोड़ रुपये है।

आंकड़ों से आगे, फर्म का तर्क है कि भारत के पास न केवल बड़े पैमाने पर ए.आई को लागू करने का, बल्कि ''इन्क्लूसिव ए.आई.'' का एक विश्व स्तर पर विशिष्ट मॉडल बनाने का दुर्लभ अवसर है, एक ऐसा मॉडल जो उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज के हर वर्ग पर सकारात्मक असर डाले।

पी.डब्ल्यु.सी. के अनुसार, अनुमानित आर्थिक लाभ का बड़ा हिस्सा मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, हेल्थकेयर, फाइनेंशियल सर्विसेज़ और रिटेल से आएगा, ये ऐसे सेक्टर्स हैं, जो मिलकर लाखों भारतीयों को रोज़गार देते हैं और देश के विकास और प्रगति की चुनौती के केन्द्र में हैं। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की पिछली लहरों के विपरीत, जो मुख्य रुप से सेवाओं और शहरी इलाकों तक सीमित थीं, पी.डब्ल्यु.सी. का सुझाव है कि ए.आई. का अगला चरण भारत की वास्तविक अर्थव्यवस्था में गहराई तक प्रवेश कर सकता है।

मैन्युफैक्चरिंग में, ए.आई. आधारित ऑटोमेशन, मशीनों की पहले से खराबी पहचानने की तकनीक और गुणवत्ता सुधार से उत्पादन बढ़ेगा और लागत कम होगी, जिससे भारतीय फर्मों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी, भले ही सप्लाई चेन अधिक खंडित और संरक्षणवादी हो जाएं। कृषि क्षेत्र में ए.आई. आधारित सलाह प्रणाली, जिसमें सैटेलाइट डेटा, मौसम की जानकारी और स्थानीय मिट्टी की जानकारी शामिल होगी, खेती की पैदावार बढ़ा सकती हैं, इनपुट की बर्बादी कम कर सकती हैं और छोटे किसानों के लिए आय को स्थिर कर सकती हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में एक लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक कमजोरी है।

हेल्थकेयर को एक और बड़ा लाभार्थी माना जा रहा है। पी.डब्ल्यु.सी. भारत में डॉक्टरों और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की पुरानी कमी को दूर करने के तरीके के रूप में ए.आई. आधारित जांच प्रणाली, मरीजों की प्राथमिक जांच और दूरस्थ इलाज मॉडल भारत में डॉक्टरों और स्वास्थ्य ढांचे की कमी को कम करने में मदद कर सकती है। यदि जिम्मेदारी से लागू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गणतंत्र दिवस परेडः पहली बार दो विदेशी नेता चीफ गैस्ट होंगे

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जनवरी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फ़ॉन डेर लेयन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो

- भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में बतौर चीफ गैस्ट यूरोपियन आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन और यूरोपियन काउन्सिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को आमंत्रित किया है।

कोस्टा 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर होने वाली भारत की 77वीं गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प के ''गाज़ा स्ट्रिप प्लान'' ने देश के पुराने अमेरिका - इज़रायल विशेष सम्बंधों को खतरे में डाल दिया है?

कतर व टर्की को अमेरिका उस बोर्ड का सदस्य बनाने को आमादा है, जो ''गाज़ा-स्ट्रिप'' का पुनर्निर्माण करेगा। पर, इज़रायल इनकी सदस्यता किसी भी कीमत पर स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

- इज़रायल का सोच है कि कतर के ''हमास'' से अच्छे सम्बंध हैं, और टर्की के राष्ट्रपति एरडोगन, इस समय इज़रायल व प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रबलतम आलोचक हैं, टर्की को इस्लामिक देशों का नेता बनाने के प्रयास में हैं।
- इज़रायल की आपत्तियों से भी ज्यादा चौंकाने वाली है, इस संदर्भ में अमेरिका की प्रतिक्रिया। अमेरिका ने इज़रायल को साफ कह दिया, उसकी आपत्तियों के बावजूद वह कतर व टर्की को बोर्ड का सदस्य बनाएगा, क्योंकि उस पर (अमेरिका पर) भारी अन्तर्राष्ट्रीय दबाव है, कि ''गाज़ा स्ट्रिप'' के पुननिर्माण को आगे बढ़ाये।
- अमेरिका की प्रतिक्रिया ने अन्तर्राष्ट्रीय ''डिप्लोमैसी'' (कूटनीति में) उसका सोच उजागर कर दिया है कि वह तत्कालिक लाभ (ट्रांज़ैक्शनल अप्रोच) के पक्ष में है, न कि दूरगामी मित्रता व नजदीकियों में।
- यह सोच बहुत चौंकाने वाला तो है ही इसने अन्य देशों को भी चौकन्ना कर दिया है, अमेरिका के वादों के प्रति।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। वॉशिंगटन और यरुशलम के बीच तनाव अब खुलकर सामने आ गया है। इज़रायल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्धोत्तर ग़ाज़ा के लिए वाइट हाउस द्वारा प्रस्तावित बोर्ड को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया है, लेकिन अमेरिका इज़रायल की आपत्तियों के बावजूद इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देता है। जो मामला पहले कूटनीतिक बैकचैनलों के ज़रिये चुपचाप सुलझाया जा सकता था, वह अब लंबे समय से सहयोगी रहे दो देशों के बीच एक दुर्लभ सार्वजनिक टकराव में बदल गया है। इससे न केवल अमेरिका-इज़रायल संबंधों की गहरी दरारें उजागर हुई हैं, बल्कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के तहत अमेरिका के गठबंधनों को लेकर व्यापक सोच भी सामने आई है।

इस विवाद के केन्द्र में युद्ध के बाद ग़ाज़ा के प्रशासन के लिए वॉशिंगटन द्वारा हाल ही में प्रस्तुत ढांचा है। इस प्रस्ताव में एक निगरानी बोर्ड शामिल है, जिसके पास पुनर्निर्माण, सुरक्षा समन्वय और नागरिक शासन की ज़िम्मेदारी संभालने वाला एक शक्तिशाली कार्यकारी अंग होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कार्यकारी निकाय में क़तर और तुर्की को शामिल किया गया है-दो ऐसे देश जिन पर इज़रायल गहरा संदेह करता है। इज़रायल लंबे समय से क़तर पर हमास से संबंध रखने का आरोप लगाता रहा है, जबकि राष्ट्रपति तैयप एर्दोआन के नेतृत्व में तुर्की ग़ाज़ा युद्ध शुरू होने के बाद से नेतन्याहू के सबसे मुखर आलोचकों में शामिल रहा है।

इज़रायल की प्रतिक्रिया त्वरित और तीखी रही। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इस योजना पर इज़रायल से कोई समन्वय नहीं किया गया और यह ''इज़रायल की घोषित नीतिगत प्राथमिकताओं के सीधे खिलाफ है'', विशेषकर युद्ध के बाद ग़ाज़ा में शत्रुतापूर्ण क्षेत्रीय शक्तियों के प्रभाव को रोकने के उसके लक्ष्य के संदर्भ में। इज़रायल के लिए क़तर और तुर्की की भागीदारी कोई तकनीकी विवरण नहीं, बल्कि एक खतरे की रेखा है-क्योंकि यह उस युद्धोत्तर ढांचे का संकेत देती है जिसे इज़रायल उन ताकतों द्वारा आकार दिया हुआ मानता है जो हमास-समर्थित नेटवर्क को निष्प्रभावी करने के बजाय वैधता प्रदान करेंगी।

हालांकि, लोगों को इज़रायल की अस्वीकृति से नहीं, बल्कि वॉशिंगटन की प्रतिक्रिया से भी हैरानी हुई है। वरिष्ठ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वर्षा के बाद भी दिल्ली में प्रदूषण नहीं घटा

नयी दिल्ली, 24 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को हुई बारिश और तापमान में गिरावट के बावजूद शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब श्रेणी में बनी रही।

- शहर के कुछ इलाकों में प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में रहा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर के कुछ इलाकों में प्रदूषण का स्तर अब भी बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है।

सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह दिल्ली का औसत एक्यूआई खराब श्रेणी में रहा, जिसमें सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की अधिकता देखी गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के कारण तापमान में तो कमी आई है लेकिन प्रदूषण के स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रीगंगानगर में पारा 3.5 डिग्री रहा, 26 और 27 को बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश के कई जिलों में गत दिनों हुई बरसात के बाद सर्दी तेज हो गई है और मौसम में बदलाव देखा गया है। उदयपुर में शनिवार को शीतलहर के चलते सुबह से कड़ाके की सर्दी रही। 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। अलवर में बारिश होने व ओले गिरने के अगले दिन शनिवार को शीतलहर ने सबको कंपकंपा दिया। वहीं श्रीगंगानगर जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर अब खत्म हो गया है, जिसके कारण मौसम ड्राई बना हुआ है और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिन में तेज धूप निकलने के बावजूद भी ठंडी हवाएं चल रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को श्रीगंगानगर जिला प्रदेश में दूसरा सबसे अधिक ठंडा जिला रहा। गुरुवार को हुई बारिश ने मौसम को बदल दिया। तेज धूप और सूखी ठंड का असर सरसों की फसल पर अधिक पड़ रहा है, जिससे सरसों के दाने पिचक जाएंगे और उत्पादन में कमी होगी।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री और अधिकतम तापमान 21.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं, गुरुवार को यहां न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मौसम विभाग ने 26 और 27 जनवरी को श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और आंधी और बारिश के साथ ओले भी गिरेंगे। वहीं, 25 जनवरी को जिलेभर में मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है।

उदयपुर में एक बार फिर सर्दी ने तेवर दिखाए

उदयपुर, (का.सं.)। झीलों की नगरी उदयपुर में शनिवार को शीतलहर के चलते सुबह से कड़ाके की सर्दी रही। 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री की गिरावट आने से सर्दी फिर तेज हो गई है। तेज धूप निकलने के बाद भी ठंडी हवाओं से ठिठुरन बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 6.4 डिग्री व अधिकतम तापमान में 6.2 डिग्री तक गिरावट दर्ज हुई है। बीती रात उदयपुर में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले उदयपुर में न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री था। उत्तरी हवाओं के प्रभाव से आगामी 48 घंटे तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने व शीतलहर चलने की संभावना है।

मौसम एक्सपर्ट डॉ. आर.एस. देवड़ा के अनुसार मेवाड़ सहित दक्षिणी राजस्थान में भी मावठ होने और ओले गिरने की संभावना है। उत्तरी से चलने वाली 10 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार से ठंडी हवाओं के कारण तापमान में कमी होगी। एक बार फिर से गलन वाली सर्दी का एहसास होगा। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार ठंडी हवाओं के कारण तापमान में कमी होने और एक बार फिर गलन वाली सर्दी की संभावना है। उदयपुर शहर में सुबह बादलों का डेरा नहीं था और धूप भी नहीं थी। सर्दी के बदलते तेवर से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र में कडाके की सर्दी से बचने के लिए ग्रामीण घरों में ही अलाव का सहारा ले रहे हैं। काम पर जाने वाले लोग गर्म स्वेटर, मफलर, टोपी का सहारा लेकर बचाव कर रहे हैं।

अलवर में एक दिन में 8 डिग्री तक गिरा तापमान

अलवर, (निसं)। अलवर में बारिश होने व ओले गिरने के अगले दिन शनिवार सुबह से शीतलहर ने सबको कंपकंपा दिया। बर्फ जितनी ठंडी हवा चल रही है, लेकिन सुबह से ही धूप निकलने पर सर्दी से कुछ राहत भी मिली, जहां बादल छाए हैं, वहां सर्दी का असर ज्यादा है। शुक्रवार को बारिश होने पर अलवर में दिन का तापमान करीब 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री दर्ज हुआ। बीते कई दिनों से अधिकतम तापमान 28-29 डिग्री के करीब था। तापमान में यह गिरावट बारिश के चलते हुई है। वहीं न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं शहर सहित आसपास में बर्फ जैसी सर्दी है, लेकिन दिन में धूप निकलने से फसल में कोई नुकसान नहीं है, इस तरह की सर्दी से फायदा है। आगामी दिनों में फसल को अभी सर्दी की जरूरत है। मौसम के जानकारों के अनुसार आगे 26 से 27 जनवरी के बीच में वापस मौसम बदल सकता है और बारिश होने का अनुमान है, जिससे सर्दी बनी रहेगी। इस कारण फसल अच्छी होने की उम्मीद है।

बाप क्षेत्र में वाहनों व घास पर जमी ओस की बूंदें

बाप, (निसं)। दो दिन पहले हुई मावठ के बाद शुरू हुई शीतलहर का असर शुक्रवार को भी जारी रहा। बीती रात तापमान गिरकर जमाव बिंदु के करीब पहुंच गया। शनिवार सुबह वाहनों, घास और फसलों पर कई जगह ओस की बूंदें जमी नजर आई।

वहीं शनिवार दोपहर बाद मौसम ने फिर करवट ली और बादल छा गए। बादलों के साथ चली बर्फीली हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया। कुछ देर के लिए निकली धूप भी ठंडी हवाओं के सामने बेअसर साबित हुई। शाम ढलते ही सर्दी ने और तीखा रूप ले लिया। हालात ऐसे रहे कि गर्म कपड़ों में भी सर्द हवाएं महसूस हुईं। शीतलहर के चलते इलाके में गलन काफी बढ़ गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। निराश्रित पशुओं की हालत कड़ाके की सर्दी में दयनीय बनी हुई है।

दस हजार का इनामी तस्कर चार साल बाद गिरफ्तार

पुलिस ने एनडीपीएस मामले में फरार आरोपी को पंजाब के फतेहाबाद जिले से पकड़ा

बज्जू, (निसं)। पुलिस को एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी तस्कर करनैल सिंह उर्फ मैम्बर को हरियाणा के फतेहाबाद जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी को उसके पैतृक गांव हिजरावां कलां से पकड़ा है।

बज्जू थानाधिकारी जगदीश पांडर ने बताया कि यह मामला नवंबर 2021 का है। तत्कालीन थानाधिकारी बलवंतराम ने इंदिरा गांधी मुख्य नहर की 931 आरडी चौराहा पर नाकाबंदी के दौरान एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी से 22 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त किया था। उस समय कार चालक हरविंदर सिंह निवासी जीवन नगर रेओंद कला, पंजाब और चरणजीत कौर पत्नी अमरीक सिंह, निवासी रेओंद कला, पंजाब को गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, कार की बीच वाली सीट पर सवार करनैल सिंह उर्फ मैम्बर निवासी हिजरावां कलां, फतेहाबाद, हरियाणा मौके से फरार हो गया था। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बज्जू पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने हरियाणा जाकर तकनीकी और गोपनीय जानकारी के आधार पर आरोपी करनैल सिंह उर्फ मैम्बर पुत्र जुगलाल उर्फ जुगलसिंह को उसके गांव से दबोच लिया। इस कार्रवाई में थानाधिकारी जगदीश पांडर के साथ कांस्टेबल रामकुमार विश्नोई और रामेश्वरलाल विश्नोई शामिल थे।

कार की टक्कर से अधेड़ की मौत

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना इलाके में कार की चपेट में आने से घायल हुए अधेड़ की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। गुमानपुरा थाने के एएसआई लतीफ मोहम्मद ने बताया कि कंसुआ निवासी सुरेन्द्र सिंह जो जनता टेलर की शॉप पर टेलर का काम करता था, एएसआई ने बताया कि सुरेन्द्र सिंह दुकान के किसी काम से बाजार पैदल जाते समय कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए सुरेन्द्र सिंह को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से घायल व्यक्ति को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

बीकानेर में चोरी व गुम हुए 40 लाख के मोबाइल बरामद

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने चोरी और गुम हुए 170 मोबाइल बरामद कर ऑनर्स को वापस लौटाए। मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने राजस्थान समेत एमपी, बिहार, यूपी, हरियाणा से लोकेशन ट्रेस कर मोबाइलों को बरामद किया था। मोबाइल अधिकांश बुजुर्गों, महिलाओं, विद्यार्थियों और मजदूर वर्ग के थे। कई मामलों में मोबाइल किश्तों पर खरीदे गए थे, जिससे लोगों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि मोबाइल गुम होने की शिकायतें लगातार मिल रही थी। दूरसंचार विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और मोबाइल गुमशुदगी रिपोर्ट के आधार पर सायबर सेल व थानों को विशेष निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चक्रवर्ती सिंह राठौड़ व ग्रामीण बनवारीलाल मीणा के निर्देशन में थाना स्तर पर टीमों का गठन किया गया और चोरी और गुम हुए 170 मोबाइल बरामद किये और मालिकों को लौटाये।

बीकानेर के नाल एयरपोर्ट से पैसेंजर लोड चार गुणा हुआ

बीकानेर, (निसं)। नाल स्थित एयरपोर्ट के लिए यह साल बेहद उत्साहजनक संकेत लेकर आया है। जहां वित्तीय वर्ष 2023-24 में महज 6470 यात्रियों ने हवाई सफर किया था, वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर के बीच ही 32265 पैसेंजर्स ने उड़ान भरी। यानी एक साल के अंतराल में बीकानेर एयरपोर्ट से यात्री संख्या में करीब 400 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। यह बढ़ोतरी न केवल शहर की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूती देती है, बल्कि भविष्य में नई फ्लाइट्स की संभावनाओं के द्वार भी खोलती है। नाल एयरपोर्ट से मिल रहे हालिया आंकड़े बीकानेर के लिए सकारात्मक और उम्मीद जगाने वाले हैं।

फिलहाल यहां से रोजाना इंडिगो एयरलाइंस की बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट संचालित हो रही है, जिसे यात्रियों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा एलाइंस एयर की ओर से सप्ताह में एक दिन शनिवार को बीकानेर-जयपुर उड़ान भी उपलब्ध है। इन सीमित उड़ानों के बावजूद यात्रियों की संख्या में जिस तरह की तेजी देखने को मिली है, उसने यह साफ कर दिया है कि बीकानेर में हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह ग्रोथ आने वाले समय में नई कनेक्टिविटी फ्लाइट्स के लिए मजबूत आधार बनेगी। बीकानेर व्यापार, उद्योग और पर्यटन की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ शहर है। देशभर में ऊन उद्योग, नमकीन, भुजिया, हस्तशिल्प और टूरिज्म के कारण बीकानेर की पहचान है। ऐसे में बेहतर एयर कनेक्टिविटी न केवल व्यापारियों के लिए समय और लागत की बचत करेगी, बल्कि शहर में निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। नाल एयरपोर्ट से यात्रियों की संख्या में हुई करीब 400 प्रतिशत की वृद्धि यह साफ संदेश देती है कि बीकानेर अब हवाई नक्शे पर मजबूती से उभर रहा है। सीमित उड़ानों में भी मिली यह सफलता भविष्य की बड़ी उड़ानों का संकेत है।

यदि मांग के अनुरूप कनेक्टिविटी बढ़ाई जाती है, तो बीकानेर का आसमान आने वाले वर्षों में और व्यस्त नजर आएगा। नाल एयरपोर्ट से फिलहाल सिर्फ दो रूट्स पर नियमित उड़ानें हैं, इसके बावजूद पैसेंजर लोड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि बीकानेर से दिल्ली और जयपुर के अलावा अन्य बड़े व्यापारिक और औद्योगिक शहरों के लिए सीधी उड़ानों की जबरदस्त जरूरत है। बीकानेर के कारोबारी लंबे समय से सूरत, अहमदाबाद, मुंबई और असम जैसे शहरों के लिए डायरेक्ट फ्लाइट की मांग कर रहे हैं। इन शहरों से बीकानेर का व्यापारिक और औद्योगिक जुड़ाव गहरा है। यदि ये रूट शुरू होते हैं तो नाल एयरपोर्ट उत्तर-पश्चिम राजस्थान का एक मजबूत एविएशन हब बन सकता है।

अलवर में पुलिस ने इनफील्ड बाइकें जब्त की

अलवर, (निसं)। अलवर ट्रैफिक पुलिस की लगातार कार्रवाई के चलते मॉडिफाइड इनफील्ड बाइक चालकों में अब डर पैदा हुआ है। शनिवार को भी ट्रैफिक पुलिस ने 30 वाहनों के चालान काटे और 4 मॉडिफाइड बाइक जब्त की है। इससे पहले एक साथ 250 मॉडिफाइड साइलेंसर को बुलडोजर से कुचलवाया था। ट्रैफिक पुलिस अलवर के इंचार्ज संजय शर्मा ने बताया कि ज्योतिराव फुले सर्किल पर लोक परिवहन बस संचालक मन चाहे जहां वाहनों को खड़ा करते थे। उनको गाइडलाइन समझाकर बसों के चालान किए हैं। करीब 30 वाहनों के चालान काटे हैं जो नियम के विरुद्ध वाहन चला रहे थे। पुलिस ने चार मॉडिफाइड बाइक के चालान भी काटे हैं। जिनको जब्त कर थाने लेकर आया गया। पुलिस ने रोडवेज प्रशासन को भी पत्र लिखकर अवगत कराया है कि रोडवेज की बसें अपने निर्धारित जगह पर खड़ी हों, ताकि मन चाहे जहां खड़ा करने से रोड जाम नहीं हों। बस वाले यात्रियों को उतारते समय जहां चाहे वहां खड़ा करते हैं।

अलवर सांसद भूपेंद्र सिंह की ''एक पाती अलवर के नाम'' की हो रही सराहना

सांसद यादव ने अपने क्षेत्र की जनता से जुड़ने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसे ''एक पाती अलवर के नाम'' नाम दिया है

किशनगढ़ बास, (निसं)। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण, जलवायु मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र की जनता से जुड़ने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसे नाम दिया गया है ''एक पाती अलवर के नाम।'' यह पहल सांसद के फेसबुक पेज से लेकर व्हाट्सएप ग्रुपों तक बड़े उत्साह के साथ पढ़ी जा रही है और क्षेत्र में खासा चर्चा का विषय बनी हुई है। यह अलवर क्षेत्र की जनता के लिए शुरू की गई एक अभिनव एवं अनुकरणीय पहल है, जिसकी सर्वत्र सराहना हो रही है।

अलवर सांसद भूपेंद्र यादव।

■ यह पत्र जन-जन में पढ़ा जा रहा है और क्षेत्र में जनप्रतिनिधि व जनता के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन गया है

लोगों का कहना है कि जनता द्वारा चुने गए किसी जनप्रतिनिधि द्वारा इस प्रकार नियमित पत्र लेखन के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित करने की शुरुआत पहली बार देखने को मिली है। यह पहल अलवर क्षेत्र में लोकप्रिय होने के साथ-साथ एक प्रेरणादायक मिसाल भी बन रही है। सांसद की यह पाती पढ़कर लोगों को गजल गायक पंकज उधास का प्रसिद्ध गीत वतन से चिट्ठी आई है... भी याद आ जाता है। ''एक पाती अलवर के नाम'' पत्र के माध्यम से सांसद भूपेंद्र यादव अपने संसदीय क्षेत्र की जनता के साथ वे सभी जानकारियां साझा करते हैं, जो एक जनसेवक का कर्तव्य होता है। इस पत्र में विकास कार्यों की जानकारी के साथ-साथ युवाओं, आमजन और क्षेत्र से जुड़े हर महत्वपूर्ण विषय को शामिल किया जाता है, जिससे जनता को उनके सांसद द्वारा किए जा रहे कार्यों की नियमित जानकारी मिलती रहे।

13 जनवरी 2026 को केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद खैरथल जिला मुख्यालय पर करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि वे पिछले 20 सप्ताह से प्रत्येक सप्ताह फेसबुक पर एक पाती अलवर के नाम लिख रहे हैं और अब तक ऐसा कोई सप्ताह नहीं रहा जब यह पत्र नहीं लिखा गया हो। उल्लेखनीय है कि अलवर संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं और सांसद इन सभी क्षेत्रों की जनता के लिए इस पाती के माध्यम से संवाद स्थापित कर रहे हैं। यही कारण है कि यह पत्र जन-जन में पढ़ा जा रहा है और क्षेत्र में जनप्रतिनिधि व जनता के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन गया है।

अलवर में सायबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के बैंक खाते में करीब 16 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे

अलवर, (निसं)। अलवर में सायबर ठगी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते में अलग-अलग स्थानों से करीब 16 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे। आरोपी की पहचान समुंद्र के रूप में हुई है, जो लिवारी गांव का रहने वाला है। अरावली विहार थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस को सायबर सेल से सूचना मिली थी। आरोपी के बैंक खाते पर चार अलग-अलग सायबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। जैसे ही बड़ी राशि खाते में आई, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खाते को फ्रिज करवा दिया। आरोपी से पूछताछ में खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

अरावली विहार थानाधिकारी रामेश्वर लाल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में सायबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सूचना मिलने पर आरोपी से पूछताछ की गई। जांच सामने आया कि वह एक संगठित सायबर ठगी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। आरोपी ने कबूल किया कि वह अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर सायबर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाने में मामला दर्ज कर लिया है, जबकि उसके फरार साथी की तलाश जारी है। फिलहाल आरोपी के बैंक खाते को फ्रीज कर दिया गया है और मामले में आगे की जांच की जा रही है।

डी-फार्मेसी डिप्लोमा दिलवाने के नाम पर 4.65 लाख की ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। डी-फार्मेसी डिप्लोमा दिलवाने के नाम पर परिवार से लाखों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पति-पत्नी सहित तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है।

■ जयपुर के कॉलेज में पता किया तो नाम ही नहीं था, पति-पत्नी सहित तीन पर केस दर्ज

पुलिस को दी रिपोर्ट में जसप्रीत कौर निवासी 2 एसटीआर, नई मंडी घड़साना (श्रीगंगानगर) ने बताया कि अबोहर निवासी मनिन्द्र कौर और उसके पति तोता सिंह ने उनके परिवार से कहा कि उनके परिचित रामदेव कल्ला निवासी बीकानेर जयपुर के एक फार्मेसी कॉलेज से डी-फार्मेसी करवा सकते हैं। इसके बाद आरोपियों ने जसप्रीत कौर के भाई गुरवंत सिंह का एडमिशन करवाने के नाम पर 4 लाख 65 हजार रुपए ले लिए एज्युकेशन के डॉक्यूमेंट भी ले लिए। पैसे देने के बाद जब रसीद मांगी गई तो आरोपी मना करने लगे। बाद में उन्होंने कह दिया कि ऑनलाइन कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। इसके बाद जसप्रीत कौर के पिता ने जयपुर जाकर कॉलेज में पता किया तो गुरवंत सिंह का वहां एडमिशन ही नहीं हुआ था। जब महिला ने आरोपियों से इसके बारे में पूछा तो वे लड़ाई-झगड़ा करने लग गए। आरोपियों ने कहा कि वह महिला (जसप्रीत) की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करके बदनाम कर देंगे, जिसके बाद महिला ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत : कोटा में रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में सड़क पर पैदल जा रहा मजदूर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मजदूर ने शनिवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

रेलवे कॉलोनी थाने के एएसआई देवकरण ने बताया कि महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी मुकेश जो मजदूरी करता था, मजदूरी करके पैदल जाते समय चन्द्रेसल इलाके में अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी, जिसे उपचार के लिये किसी परिचित ने अस्पताल मे भर्ती कराया था। वहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बीकानेर में अलग-अलग हादसों में दो जनों की मौत

बीकानेर, (निसं)। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसा लूणकरणसर में राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर 264 आरडी के पास बीती रात करीब दस बजे हुआ।

■ बाइक सवार युवक की मौत के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक लेकर फरार हो गया

पुलिस के अनुसार, कपूरीसर का रहने वाला रामनिवास (35) पुत्र ईश्वर राम पूनिया बाइक पर लूणकरणसर की ओर से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रामनिवास गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायल को तुरंत उपजिला हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और ट्रक चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

बज्जू के बांगड़सर ग्राम पंचायत की आरडी 888 पर एक किसान की सिंचाई डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पूनमचंद मेघवाल के रूप में हुई है जो रात में डिग्गी पर रखी मोटर को चालू करने गया था। उसका शव अगले दिन डिग्गी से बरामद किया गया। बज्जू पुलिस थाना के उपनिरीक्षक प्रेमसिंह ने बताया कि बांगड़सर निवासी बाबूलाल पुत्र मघाराम मेघवाल ने इस संबंध में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार बाबूलाल और उसका छोटा भाई पूनमचंद आरडी 888 स्थित खेत में रहते थे। बाबूलाल ने बताया कि पूनमचंद रात करीब 9 बजे खेत में बनी सिंचाई डिग्गी पर मोटर पंप चालू करने गया था। जब वह डेढ़ घंटे तक वापस नहीं लौटा, तो बाबूलाल ने उसे फोन किया और खेत में ढूंढा, लेकिन वह नहीं मिला। डिग्गी पर जाकर देखने पर पानी में चप्पलें तैरती मिली। परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाकर काफी तलाश के बाद अगले दिन सुबह पूनमचंद का शव डिग्गी से बाहर निकाला गया।

पुलिस ने बाबूलाल की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मृतक पूनमचंद के शव का उपजिला अस्पताल बज्जू में पोस्टमॉर्टम करवाया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बज्जू थानाधिकारी द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है।

अवैध शराब के साथ दो तस्करों को दबोचा

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर स्पेशल पुलिस टीम ने बाइक से शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सरथूना से डूका होकर गुजरात जाने वाले रास्ते पर दो बाइकों से अवैध शराब पकड़ी है। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है।

■ अवैध शराब को कट्टों में भरकर बाइकों से गुजरात ले जा रहे थे, नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किया

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सूचना मिली कि सरथूना से डूका के रास्ते होकर गुजरात में शराब की तस्करी की जा रही है। इस पर डीएसटी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बॉर्डर के पास नाकाबंदी कर दी। पुलिस ने गुजरात नंबर की दो बाइकों को रुकवाया। बाइकों पर कट्टे लटके हुए थे। पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो उनमें विभिन्न ब्रांड की शराब की बोतलें भरी हुई मिली, लेकिन दोनों के पास शराब ले जाने या रखने का कोई लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में रसिक भाई पुत्र रमन भाई डामोर निवासी तुम्बलिया थाना मेघरज जिला अरवल्ली गुजरात और भवानी सिंह उर्फ भली पुत्र गला डामोर निवासी सरथूना थाना धम्बोला को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसटी ने शराब के साथ दोनों को पकड़कर धंबोला थाना पुलिस को सौंप दिया है। वहीं पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

गांजा तस्करों से पूछताछ जारी : भीलवाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। जिले के कारोई थाना पुलिस और डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 27 लाख रुपये से अधिक का अवैध गांजा जब्त किया है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक मारुति वैन से 54 किलो गांजा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस गांजा तस्करों से पूछताछ कर रही है।

भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर जिलेभर में चल रहे अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत यह बड़ी कार्रवाई हुई है। मुखबिर की सटीक सूचना पर कारोई थाना पुलिस और डीएसटी ने 22 जनवरी को नेशनल हाईवे 758 पर स्थित मुजरास टोल प्लाजा पर नाकाबंदी की। इस कार्रवाई का नेतृत्व प्रोबेशनर आईपीएस आयुष श्रोत्रिय कर रहे थे। टीम ने एक मारुति वैन को रुकवाया। तलाशी लेने पर वैन के अंदर छिपाकर रखे गए 10 कट्टों में अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से वैन चालक असलम मोहम्मद पिनारा (25) को गिरफ्तार किया है, जो हलेड़ का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए 54 किलो 170 ग्राम गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 27 लाख 8 हजार 500 रुपये आंकी गई है। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल मारुति वैन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपी असलम से पूछताछ कर रही है कि वह यह गांजा कहां से लाया था और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी।

पशुघर में आग लगी

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना क्षेत्र माडा मंदिर फला में शुक्रवार देर रात को एक पशुघर में आग लग गई। सूखा चारा भरा होने से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने समय रहते बाड़े में बंधे मवेशियों बचाया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

माडा मंदिर फला में प्रभुलाल लबाना के पशुघर में शुक्रवार देर रात को आग लग गई। पशुघर में सूखा चारा होने की आग की ऊंची ऊंची लपटें दूर तक दिखाई देने लगी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मवेशियों को खोलकर बाड़े से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने बर्तनों में पानी भर कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। हादसे की सूचना पर देर रात को डूंगरपुर नगर परिषद से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पाटन : बावरिया गैंग का सदस्य गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बावरिया गैंग के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आदेश उर्फ कालू निवासी सुन्दरपुरा, थाना कोटपुतली, जिला कोटपुतली-बहरोड़ के रूप में हुई है।

■ आरोपी पूर्व में भी सीकर, प्रागपुरा, मनोहरपुर और डेगाना (नागौर) क्षेत्रों में कई आपराधिक वारदातों में संलिप्त रहा है

पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि 22 जनवरी को दर्ज मामले में परिवादी राजेंद्र, निवासी वार्ड नंबर दो सरदार शहर, जिला चूरू ने रिपोर्ट दी थी कि 17 जनवरी की रात वह अपनी पत्नी चावली देवी के साथ कोटपुतली से अपने गांव सरदार शहर जा रहे थे। रात्रि होने के कारण दोनों लुहारों के डेरे के पास पाटन क्षेत्र में रुक गए। उनके साथ एक गाड़ी और मवेशी थे। 18 जनवरी की सुबह करीब 6 बजे जागने पर मवेशी मौके से गायब मिले। अज्ञात चोरों द्वारा पशुओं की चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने वांछित आरोपियों और चोरी गए माल की तलाश में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान वारदात में प्रयुक्त बोलेरो एम्बुलेंस की तलाश कोटपुतली, बहरोड़, विराटनगर, प्रागपुरा, पावटा, थोई और अजीतगढ़ सहित कई क्षेत्रों में की गई। लगातार दबिश और गहन तलाशी के बाद पुलिस ने आरोपी आदेश उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी पूर्व में भी सीकर, प्रागपुरा, मनोहरपुर और डेगाना (नागौर) क्षेत्रों में चोरी, लूट, डकैती, नकबजनी और स्नैचिंग जैसी कई आपराधिक वारदातों में संलिप्त रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ

सार-समाचार

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सवाई माधोपुर । विभाग की विभाग संयोजक डागुर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यकताओं ने सभी अतिथियों का एबीवीपी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया मुख्य वक्ता कोतवाली थाने की हैंड कांस्टेबल ज्योति चौधरी ने कहा कि समाज सेवा तभी सार्थक है जब उसमें महिलाओं और बालिकाओं की समान भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि बालिकाएँ केवल परिवार की नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। नारी सशक्तिकरण कोई नारा नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशील चेतना का प्रतीक है, जो भारत को समावेशी और प्रगतिशील दिशा प्रदान करता है। साथ ही चौधरी ने पुलिस प्रशाशन की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। एबीवीपी जिला कोषाधिकारी गुरुदत्त जी ने कहा कि बालिका समाज की जीवंत शक्ति है। शिक्षित और आत्मनिर्भर बालिका आज विज्ञान, प्रशासन और नेतृत्व के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। यह परिवर्तन समाज की सोच में आए सकारात्मक बदलाव का परिणाम है। प्रांत कार्यकारणी सदस्य नैना सैनी ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है। हर बालिका में सृजन और परिवर्तन की अपार शक्ति निहित है। जब वह शिक्षित और आत्मनिर्भर बनेगी, तभी राष्ट्र अपने वास्तविक सामर्थ्य तक पहुँचेगा। उप प्राचार्य कुम्हेर सिंह डागुर ने कहा कि बेटियां देश का भविष्य है तथा उनसे देश की समृद्धि तय होती है। राष्ट्र की प्रगति प्रशिक्षित और शिक्षित माताओं के बिना असंभव है। संगोष्ठी में तहसील संयोजक रिंकी सैनी, इकाई सचिव कविता कुमारी, नगर सह मंत्री अदिति सोनी, यश दत्तात्रेय,सहित अनेक शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन राजकीय कन्या महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष अनुष्का सैन द्वारा किया गया।

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं सम्मानित

सरमथुरा । कस्बे के पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अल्का श्रीवास्तव, सीबीईओ हंसराज मीणा और भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी अल्का श्रीवास्तव ने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीबीईओ हंसराज मीणा ने छात्राओं से बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम देने का आ ान किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल शर्मा ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी और छात्राओं को उनका लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली, राज्य स्तर पर खेलने वाली और अनुशासित छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, विद्यालय के भामाशाहों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गिर्राज मित्तल, सुरेश गर्ग, सुआलाल, संजय मंगल, प्रीति अठावाल, रामगोपाल शर्मा सहित अनेक अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

सफाईकर्मियों की हड़ताल जारी

सरमथुरा । कस्बे में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी है। वेतन भुगतान की मांग को लेकर शुरू हुई हड़ताल के कारण कस्बे में जगह-जगह गंदगी के ढेर लग गए हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि नगर पालिका प्रशासन ने सफाई कार्य का ठेका एक निजी फर्म को 9 लाख रुपए प्रति महीने पर दिया है। ठेकेदार द्वारा समय पर वेतन का भुगतान नहीं करने के कारण कर्मचारियों को हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होना पडा है सफाई कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या के संबंध में कई बार अधिकारियों को सूचित किया है, लेकिन अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कस्बे में फैली गंदगी से स्थानीय लोग चिंतित हैं। उनका मानना है कि यदि समय पर सफाई नहीं हुई, तो बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। कस्बावासियों ने ठेकेदार और प्रशासन से कर्मचारियों से बातचीत कर मामले को तुरंत सुलझाने और हड़ताल समाप्त करने की मांग की है।

मां सरस्वती की पूजा

जुरहरा, भरतपुर (निस)। क़स्बे के राजकीय बाबूनाथ स्वामी सीनियर विद्यालय में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती का पूजन करते हुए बसन्त पंचमी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रांगण में स्थित मां सरस्वती के मंदिर में सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रचलित कर पूजा अर्चना की गई व उपस्थित छात्रों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच लक्ष्मण साहू, डॉ. महेशचंद शर्मा, बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद मानवी, विद्यासागर साहू, अजय शर्मा, रघुवीर खंडेलवाल, प्राध्यापक तैयब खान, धर्मेंद्र, रेखा खंडेलवाल सहित क़स्बे के अन्य गणमान्य लोग व विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रमाण पत्र बांटे

भरतपुर (निस)। एनआईएमएसएमई एवं जिला उद्योग केंद्र डीग के संयुक्त तत्वावधान में रैंप प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय उद्यिमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन शनिवार को खण्डेलवाल धर्मशाला डीग में किया गया। प्रशिक्षण में शनिवार को दिलकुश मीना महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र डीग के निर्देशन में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की जानकारी देते हुए युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में अठासर होने का आ ान किया। कार्यक्रम प्रभारी बलवीर सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यवसाय स्थापना, प्रबंधन, विपणन, वित्तीय साक्षरता एवं बैंक ऋण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महाप्रबंधक दिलकुश मीना के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रतियोगिता में छात्राओं का रचनात्मक सोच, बौद्धिक सामर्थ्य का प्रभावशाली प्रदर्शन

■ राष्ट्रीय बालिक दिवस पर किए गए कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय छात्रा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कलामंच जिला भरतपुर द्वारा छात्राओं के बौद्धिक, रचनात्मक एवं सांस्कृतिक विकास को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शहर के प्रतिष्ठित महारानी श्री जया महाविद्यालय एवं रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय में उत्साह, अनुशासन और गरिमामय वातावरण के साथ संपन्न हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग प्रमुख सौरभ सिंह ने बताया कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य छात्राओं को स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास की भावना से ओतप्रोत करना तथा उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से जागरूक बनाना रहा। राष्ट्रीय कलामंच द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने यह सिद्ध किया कि जब छात्राओं को उचित अवसर और मंच मिलता है, तो वे अपनी प्रतिभा से समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने में सक्षम होती हैं। महारानी श्री जया महाविद्यालय के इकाई अध्यक्ष भानु फौजदार ने बताया किकार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपनी रचनात्मक सोच, अभिव्यक्ति क्षमता और बौद्धिक सामर्थ्य का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। दोनों महाविद्यालयों के परिसरों में कार्यक्रम के दौरान उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय कलामंच प्रांत सह संयोजक कपिल फौजदार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि छात्रा केवल भविष्य की नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति है। एक शिक्षित और संस्कारित छात्रा ही सशक्त समाज की आधारशिला होती है। राष्ट्रीय छात्रा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि छात्राओं को समान अवसर, सम्मान और आगे बढने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए। महाविद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय कलामंच जिला भरतपुर की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को विकसित करते हैं। इससे छात्राएं पढ़ाई के साथ-साथ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होती हैं। प्रतियोगिताओं के दौरान निर्णायक मंडल द्वारा निष्पक्ष मूल्यांकन किया गया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम ने छात्राओं में नई ऊर्जा, का भाव उत्पन्न किया। समापन अवसर पर राष्ट्रीय कलामंच जिला भरतपुर के पदाधिकारियों ने दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, शिक्षकों, आयोजन समिति एवं सभी प्रतिभागी छात्राओं का आभार व्यक्त किया। रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय की इकाई अध्यक्ष खुशबू चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय छात्रा दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल एक आयोजन रहा, बल्कि नारी सशक्तिकरण, शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संदेश बनकर उभरा। यह आयोजन छात्राओं के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध हुआ और समाज को यह संदेश दिया कि जब छात्राएं आगे बढ़ेंगी, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा।

बसंत पंचमी मनाई

भरतपुर (निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए उप प्राचार्य भूपेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि आज सरकार के निर्देश अनुसार विद्यालय में निपुण मेला , कृष्ण भोग, बसंत पंचमी, नव मतदाता दिवस, सुभाष चंद्र बोस जयंती, वंदे मातरम/150 आदि बहुत से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, संस्था प्रधान नीरज चौधरी ने अलग-अलग स्टाफ मेंबर्स को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी। जिनका भली भांति निर्वहन किया गया। निपुण मेला प्रभारी तनूजा शर्मा ने बताया कि नन्हीं प्रतिभाओं के द्वारा बहुत प्रकार के चार्ट, मॉडल आदि तैयार किये।

भुसावर में कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती मनाई

■ सादगी व समाजवाद के आदर्शों को किया याद

भुसावर भरतपुर (निस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 102 वी जयंती मेहंदी कॉलोनी स्थित राधा कृष्ण युगल बिहारी मंदिर पर अशोक भारती के मुख्य आतिथ्य एवं पार्षद रणजीत सैन की अध्यक्षता मे मनाई गई।

सर्व प्रथम पूर्व मुख्यमंत्री ठाकुर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। साथ ही उनके पद चिन्हों पर चलकर राष्ट्र प्रेम, समाज वाद का नारा बुलंद किया। वक्ताओं ने कहा कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी 1924 में हुआ। ठाकुर स्वतन्त्रता सेनानी, शिक्षक के साथ बिहार राज्य के दूसरे उप-मुख्यमंत्री व दो बार मुख्यमंत्री रहे। लेकिन सत्ता के गलियारों में आज भी लोग उन्हें उनकी सादगी, ईमानदारी और ओजस्वी वक्ता के तौर पर याद करते हुए सम्मान करते है। वे भारत छोडो आंदोलन में पूर्ण समर्पित कार्यकर्ता थे। हमे उनके बताए रास्ते पर चलकर देश तरक्की में सहयोगी बनना चाहिए। वे देशवासियो की सदैव अपने अधिकारों को जानने के लिए जगाते। ठाकुर का चिर परिचित नारा रहा अधिकार चाहो तो लड़ना सीखो,पग पग पर लड़ना सीखो,जीना है तो मरना सीखो जो वर्तमान में भी कारगर सिध्द हो रहा है।

इस मौके पर भगवान सिंह, बलदेव सैन, वेद प्रकाश सेन, भूमिपुत्र भारती, सतीश सैन, कपिल, नरेश कुमार. विष्णु सैन, अशोक, लोकेश सैन, सोहन लाल, सुशील, भूपेंद्र, मनोज सैन आदि मौजूद रहे।

बालिका सशक्तिकरण के लिए समान अधिकार की परिभाषा को लागू करना सभी की जिम्मेदारी

करौली। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय करौली में जिला प्रशासन एवं एक्शनएड यूनिसेफ करौली द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक्शनएड यूनिसेफ जिला समन्वयक दिनेश कुमार बैरवा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य एक उज्जवल भविष्य के लिए बालिकाओं को सशक्त बनाना है जो शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों की समानता को प्रमोट करता है।

भारत में बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके समठा कल्याण पर जोर देने के लिए समर्पित राष्ट्रीय बालिका दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। वर्ष 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) द्वारा प्रारंभ किया गया यह दिवस लड़के-लड़कियों में भेदभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने, समान अवसरों को प्रोत्साहित करने और ऐसा वातावरण बनाने का मंच प्रदान करता है, जहाँ बालिकाएँ सशक्त नागरिक के रूप में आगे बढ़ सकें। यह राष्ट्र के उज्ज्वल और अधिक न्यायसंगत भविष्य के निर्माण में बालिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। जिला बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि यह पहल भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विज़न के साथ प्रभावी रूप से मेल खाती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के सामने निरंतर मौजूद रहने वाली-लैंगिक भेदभाव, कन्या भ्रूण हत्या, बाल लिंगानुपात से जुड़ी चुनौतियों, बाल विवाह, तथा शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुँच में बाधाओं जैसी असमानताओं-को दूर करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। बाल कल्याण समिति सदस्य फजले अहमद ने बताया कि यह दिवस समाज की सोच में परिवर्तन लाकर बालिकाओं को समान रूप से महत्व और सम्मान देने पर जोर देता है, जिससे उनके समठा विकास को बढ़ावा मिले। उन्होंने बालिकाओं से जुड़े कानून एवं योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। जिसमें पोक्सो एक्ट, जेजे एक्ट सहित बाल कल्याण समिति के कार्यो के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्य रफिक अहमद ने बालिकाओं के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा को आगे बढ़ाना, कौशल विकास, डिजिटल समावेशन, एसईटीएम क्षेत्रों में भागीदारी, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, हिंसा से सुरक्षा तथा नेतृत्वकारी भूमिकाओं के अवसर आदि की जानकारी दी।

डॉ. गर्ग ने गौवंश का पूजन किया

■ डॉ. गर्ग ने संत सुन्दरदास महाराज के जयन्ती कार्यक्रम में शिरकत की

भरतपुर निस)। संत सुन्दरदास महाराज की जयन्ती पर खण्डेलवाल समाज की ओर से गढी सांवलदास गौशाला में आयोजित हुये कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर बांके बिहारी के बालस्वरूप लड्डू गोपाल का अभिषेक किया और गौमाताओं का पूजन कर क्षेत्र व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। खण्डेवाल समाज की ओर से संत सुन्दरदास महाराज की जयन्ती पर आयोजित हुये कार्यक्रम में विधायक डॉ. गर्ग ने गढी सांवलदास गौशाला के महंत शिशुपाल विद्यार्थी के सानिध्य में ठाकुर जी की विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की और गौशाला में गौमाताओं का पूजन कर उन्हें हरा चारा व गुड खिलाकर खुशहाली की कामना कर खण्डेलवाल समाज को बधाई व शुभकामनायें दी। इस दौरान डॉ. गर्ग ने कहा कि संत सुन्दरदास महाराज के साहित्यिक क्षेत्र में दिये गये योगदान भूलाया नहीं जा सकता। उन्होंने करीब 40 से अधिक ठांथों की रचना की। उनकी रचनाओं में प्रेम, भक्ति, योग, नीति और तत्वज्ञान का समावेश मिलता है। डॉ. गर्ग ने संत सुन्दरदास महाराज द्वारा रचित ठांथों का अध्ययन कर उनका आत्मसात करने का आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान खण्डेलवाल समाज की ओर से डॉ. गर्ग का साफा, माला व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

फलदार बगीचे व सरसों की उन्नत तकनीक पर मार्गदर्शन

भुसावर भरतपुर (निस)। कृषि विभाग भरतपुर द्वारा तहसील वैर के गांव हलैना में कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय भुसावर के डीन डॉ उदय भान सिंह ने फलदार बगीचे लगाने की वैज्ञानिक तकनीकी की जानकारी दी।

डॉ उदय भान सिंह ने बताया कि किसान कलम, बडिंग अथवा ठााफ्टिंग वाले पौधे लगाए। बीजू पौधे अच्छे किस्म के नहीं होते तथा देरी से फल देना शुरू करते हैं जबकि कलम वाले पौधे शुद्ध किस्म के होते हैं तथा जल्दी फल देना शुरू कर देते हैं।

उन्होंने पौधों की कटाई-छंटाई, पोषक तत्व, कीट एवं बीमारी प्रबंधन की जानकारी दी। डॉ राहुल कुमार ने सरसों की उन्नत किस्म, बुवाई का समय एवं पोषक तत्व प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। सहायक कृषि अधिकारी हलैना दानवीर सिंह ने सरसों में लगने वाले कीट एवं बीमारियों की पहचान व उनके नियंत्रण के बारे में बताया। उन्होंने बताया की फसल चक्र, बुवाई का समय, गर्मी की जुताई आदि तरीके कीट एवं बीमारी के नियंत्रण में सहायक हैं।

सेवा निवृत सहायक कृषि अधिकारी गोपाल सिंह ने बताया कि किसान बुवाई के समय 25 किठाा जिंक सल्फेट व 60 किठाा म्यूरेट ऑफ पोटाश अवश्य दें। इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होती है।

उन्होंने गेहूं में सिचाई की क्रांतिक अवस्थाओं के बारे में भी बताया। इस अवसर पर संतोष कुमार शर्मा, महेंद्र सैनी, संजय कुमार शर्मा, हेतराम शर्मा व हरिदास सहित 180 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

भतपुर में राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह पूर्वक मनाया

भरतपुर (निस)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को राजकीय मास्टर आदित्येन्द्र उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें बेटी को जन्म देने वाली 10 प्रसूताओ को बेबी किट, बधाई सन्देश के साथ सामूहिक रूप से बालिकाओं के द्वारा केक काटकर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर कक्षा 10वीं व 12वीं में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली कुल 22 मेधावी बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह देकर एवं 5000-5000 रूपये की राशि का उनके खाते में हस्तांतरण किया जा कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में होली मदर पब्लिक स्कूल, सुरजीत उच्च माध्यमिक विद्यालय, एस.वी.के. विद्यालय की बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्पीच का आयोजन किया गया। संचालन करते हुए कवि जय सारस्वत द्वारा अपनी कविता पाठ के माध्यम से बेटियो को जागरूक किया। बीडीए आयुक्त द्वारा बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने, समाज में बाल विवाह रोकथाम का सन्देश देने, स्वयं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का सन्देश दिया। उप निदेशक महिला अधिकारिता राजेश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलवाई गई एवं मुख्य अतिथि द्वारा बाल विवाह मुक्त राजस्थान रथ को हरी झंडी दिखा कर जिले की प्रत्येक ठााम पंचायतों में प्रचार-प्रसार हेतु रवाना किया गया।

इसी प्रकार सुपरवाईजर महिला अधिकारिता द्वारा ब्लॉक स्तर पर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया और प्रसूताओं को बधाई संदेश दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुरेन्द्र गोपलिया, प्रभारी महिला थाना पुष्पा देवी एवं प्रयत्न संस्था से शालो हेम्ब्रोम, पूजा वशुमती, नीरज कुंतल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 450 संभागीयो ने भाग लिया।

कुम्हेर ब्लॉक में तीन उप-स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास

■ प्रत्येक पर 55-55 लाख रुपये की स्वीकृति : विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह

■ प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

कुम्हेर भरतपुर (निस)। डीग-कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र के कुम्हेर ब्लॉक में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राजकीय उप स्वास्थ्य केंद्र डिडवारी, राजकीय उप स्वास्थ्य केंद्र तमरेर तथा राजकीय उप स्वास्थ्य केंद्र करऊआँ का शिलान्यास डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह द्वारा किया गया। प्रत्येक उप-स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण हेतु 55-55 लाख रुपये की राशि से कार्य संपादित किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह जी खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है। विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह ने कहा कि उप-स्वास्थ्य केंद्रों के सुदृढ़ होने से ठाामीण क्षेत्रों में लोगों को समय पर प्राथमिक उपचार, आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से दूर के स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल मेरे पूज्य पिता, पूर्व चिकित्सा मंत्री एवं विधायक स्व. डॉ. दिगम्बर सिंह जी के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने हमेशा क्षेत्र में मजबूत स्वास्थ्य ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया था। अंत में विधायक ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डीग-कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र में विकास और जनकल्याण के कार्यों को गति दी जाएगी इन कार्यक्रमों में प्रधान देवी सिंह, सीएमएचओ विजय सिंह, राजवीर सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि बनय सिंह, पूरन पूर्व सरपंच, राजन नंबरदार, गुलाब वैद्य, श्यामवीर सिंह, सतवीर सिंह, ओमप्रकाश ठेकेदार सहित अन्य मौजूद रहे।

जेसीआई ने किया हेलमेट का वितरण

बूंदी(निसं) । सड़क सुरक्षा माह के तहत जेसीआई बूंदी ऊर्जा द्वारा दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। संस्था की अध्यक्ष अंकिता नुवाल ने बताया कि इस अवसर पर वाहन चालकों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम होंडा मोटर्स के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें बाहर से रोज़गार के लिए शहर आने वाले मजदूर वर्ग के दुपहिया वाहन चालकों को प्राथमिकता दी गई। हेलमेट वितरण कार्यक्रम बायपास रोड के पास आयोजित हुआ।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अनुकृति, सोनल नुवाल, सचिव नेहा मंत्री, उपाध्यक्ष कविता नुवाल, सिंपल भंडारी, उमा माहेश्वरी सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।

सार-समाचार

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जागरूक मतदाता जरूरी

हिण्डौन सिटी । राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना, मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) एवं मेरा युवा भारत, करौली के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को मतदान के महत्व से अवगत कराना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।
कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी करौली श्री शरद त्रिपाठी ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पप्पू राम कोली ने रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ईएलसी प्रभारी डॉ. रितेश जैन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी शालिनी गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।
ईएलसी प्रभारी डॉ. रितेश जैन ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माय इंडिया, माय वोट थीम के अंतर्गत महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लोकतंत्र एवं मताधिकार विषय पर रचनात्मक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. पप्पू राम कोली ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसके सफल संचालन में युवा मतदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री शरद त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने जानकारी दी कि कल राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता हेतु पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा सके।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर विस्तार व्याख्यान

भरतपुर (निस)। महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरतपुर में लोक प्रशासन विभाग के अंतर्गत लोक प्रशासन छात्र परिषद्' के तत्वावधान में विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सुनीता पांडे, विभाग प्रभारी प्रोफेसर डॉ.राम किशोर उपाध्याय और मुख्य वक्ता डॉ यादव सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर सुनीता पांडे ने अपने उद्बोधन में छात्र परिषद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी छात्रों को इसे कार्यक्रमों में पूर्ण सहभागिता निभाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ यादव सिंह ने एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव भारत के लिए महिती आवश्यकता है सशक्त भारत एवं विकसित भारत हेतु हमें संपूर्ण भारतवर्ष में एक साथ चुनाव कराए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रामकिशोर उपाध्याय ने नव चयनित छात्र परिषद के पदाधिकारियो को शुभकामनाएं देते हुए कहा की छात्र परिषद का यह कार्यक्रम छात्रों के व्यक्तित्व की निर्माण में उपयोगी है। कार्यक्रम प्रभारी हरवीर सिंह द्वारा निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता की विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए ऐसे कार्यक्रम में बढ़ चढकर हिस्सा लेने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर लोक प्रशासन छात्र परिषद् के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विजेता विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्राचार्य, प्रोफेसर डॉ. सुनीता पाण्डेय एवं प्रो. डॉ. संतोष गुप्ता, प्रोफेसर डॉ. नरेश गोयल द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता में मोहिनी कुमार प्रथम, सोनम कुमारी द्वितीय, मोहित शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगिता में प्रिया सिंह प्रथम, शिवानी द्वितीय एवं दीपक शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगिता में कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम किशोर उपाध्याय एवं हरवीर सिंह ने किया इस अवसर पर डॉ सुमन गोयल, डॉ डिंपल जायसवाल, डॉ अंजना शर्मा, शशिकांत भारद्वाज, उमाशंकर शर्मा, सुदर्शन कुमार, कविता वर्मा संकाय सदस्य एवं बहु संख्या में विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा टिप्स पुस्तकों का वितरण

हिंडौन सिटी । पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान द्वारा प्रकाशित बोर्ड परीक्षा टिप्स पुस्तकों का शनिवार को मंडावरा ओर कैलाश नगर के सरकारी विद्यालयों में वितरण किया गया।
मंडावरा के महात्मा गांधी राजकीय अंठोजी माध्यम विद्यालय के संस्था प्रधान पवन कुमार भारद्वाज ने बताया कि जिला पुरस्कृत शिक्षक फोरम करौली के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षकों ने विद्यालय की छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा टिप्स पुस्तकों का वितरण किया। इसी प्रकार कैलाश नगर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रधान सुरेश चंद जाटव ने बताया कि जिला पुरस्कृत शिक्षक फोरम करौली की ओर से छात्र छात्राओं को बोर्ड परीक्षा टिप्स पुस्तकों का वितरण किया गया। इस मौके पर संगठन के करौली जिला प्रभारी धर्मराज जांगिड़, जिला अध्यक्ष पूरणमल जाटव, संरक्षक शीतल प्रसाद शुक्ला,कोषाध्यक्ष मुकेश खण्डीप सहित विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

राम रसिया दंगल एवं शोभायात्रा आज

हिंडौन सिटी । भगवान देवनारायण की जयंती के उपलक्ष में रविवार को खरैटा रोड स्थित भगवान देवनारायण के मंदिर पर राम रसिया दंगल एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। महाराज सिंह ठेकेदार व लच्छी गुर्जर ने बताया कि भगवान देवनारायण की जयंती के उपलक्ष में रविवार को सुबह 9 बजे बड़ी बाखर की अथाई से बैंड और डीजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के मंदिर पहुंचने पर गुर्जर समाज के लोगों द्वारा भगवान देवनारायण की पूजा अर्चना की जाएगी। इस मौके पर 11 बजे से मंदिर प्रांगण में राम रसिया दंगल का भी आयोजन होगा। महाराज सिंह ठेकेदार ने बताया कि भगवान के जन्मोत्सव कार्यक्रम को लेकर मंदिर प्रांगण में शनिवार को साफ सफाई एवं अन्य तैयारियां की गई। इस दौरान गुलाब सिंह गुर्जर, राजाराम गुर्जर, किशन लाल आदि लोग मौजूद रहे।

बालिका दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता

भरतपुर (निस)। बालिका दिवस के उपलक्ष में हरिदत्त डिठाी कॉलेज, टेक्नोलॉजी पार्क, सेवर भरतपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में जागरुकता, सृजनात्मक अभिव्यक्ति तथा आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था।
इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि संस्था निदेशक डॉ.आलोक शर्मा रहे तथा विशिष्ट अतिथि हरिदत्त शर्मा रहे। दोनों अतिथियों ने बालिका शिक्षा एवं समानता पर अपने विचार साझा किए तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। पोस्टर प्रतियोगिता में राजेश्वरी, खुशी मीना, खुशी पाराशर, बिंदु, शीतल, फैज खान सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रतिभागियों ने बालिका सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ, अधिकार और जागरुकता जैसे विषयों पर अपने पोस्टर प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में प्राचार्या डॉ. नीलम सिंह, प्राचार्या डॉ. संजू शर्मा एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। निर्णायकों ने प्रस्तुत पोस्टरों को मूल्यांकन रचनात्मकता, संदेश, प्रस्तुति एवं प्रासंगिकता के आधार पर किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विजेता रहे प्रथम राजेश्वरी, द्वितीय मोहिनी तथा तृतीय स्थान पर शीतल रही। को सम्मानित किया गया और सभी विद्यार्थियों को प्रतिभाग प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन संतुलित एवं अनुशासित रुप से संपन्न हुआ।

महाराव उम्मेदसिंह स्टेडियम में आयोजित होगा जिला स्तरीय समारोह

कोटा, (निसं)। गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल शनिवार को महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) अनिल कुमार सिंघल ने पूर्वाभ्यास का अवलोकन किया। इस अवसर पर गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में होने वाले कार्यक्रमों का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। गणतंत्र दिवस पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन दरबार पेट्रोल पम्प के पास स्थित सियाम ऑडिटोरियम में शाम 6 बजे से किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक एवं देश भक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। गणतंत्र दिवस का जिला स्तरीय समारोह 26 जनवरी को महाराव उम्मेद स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रातः 9:05 बजे शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पण के बाद 9:15 बजे समारोह स्थल पर मुख्य अतिथि का आगमन होगा, ध्वजारोहण, परेड निरीक्षण, मार्चपास्ट, महामहिम राज्यपाल का संदेश पठन आदि कार्यक्रम होंगे।

युवा व ऊर्जावान

श्री नितिन नवीन जी

को

भारतीय जनता पार्टी

के

राष्ट्रीय अध्यक्ष

के रूप में निर्वाचित होने पर

हार्दिक शुभकामनायें

शुभेच्छु

सरदार सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी
उपाध्यक्ष

श्री नाहरसिंह जोधा
उपाध्यक्ष

श्री मुकेश दाधीच
उपाध्यक्ष

श्री बिहारीलाल बिश्नोई
उपाध्यक्ष

श्री छगन माहूर
उपाध्यक्ष

श्री हकरु माईडा
उपाध्यक्ष

डॉ.श्रीमती ज्योति मिर्धा
उपाध्यक्ष

श्रीमती अलका मूंदड़ा
उपाध्यक्ष

श्रीमती सरिता गेना
उपाध्यक्ष

श्री श्रवण सिंह बगड़ी
महामंत्री

श्री कैलाश मेघवाल
महामंत्री

श्री भूपेंद्र सैनी
महामंत्री

श्री मिथिलेश गौतम
महामंत्री

श्री नारायण मीणा
मंत्री

श्री अजीत मांडन
मंत्री

श्रीमती अपूर्वा सिंह
मंत्री

श्री आईदान सिंह भाटी
मंत्री

श्रीमती एकता अग्रवाल
मंत्री

श्री नारायण पुरोहित
मंत्री

श्री सीताराम पोसवाल (गुर्जर)
मंत्री

श्री पंकज गुप्ता
कोषाध्यक्ष

डॉ श्याम अग्रवाल
सहकोषाध्यक्ष

श्री विजेंद्र पुनिया
प्रकोष्ठप्रभारी

श्री कैलाश शर्मा
प्रवक्ता

श्री कुलदीप धनकड
प्रवक्ता

श्री रामलाल शर्मा
प्रवक्ता

श्री दशरथ सिंह
प्रवक्ता

श्री मदन प्रजापत
प्रवक्ता

श्रीमती राखी राठौड
प्रवक्ता

श्रीमती स्टेफी चौहान
प्रवक्ता

श्री मुकेश पारीक
कार्यालय सचिव

श्री अविनाश जोशी
प्रभारी, आई.टी.

श्री हीरेन्द्र कौशिक
प्रभारी, सोशल मीडिया

श्री प्रमोद वशिष्ठ
मीडिया प्रभारी

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL

खेल जगत

अजहर की बैटिंग के वीडियो देखकर बहुत कुछ सीखा। ''जब मैं छोटा था, तो मेरे पापा मुझे उनकी बैटिंग के वीडियो दिखाते थे। मैं उनके स्टाइल का बहुत बड़ा फैन हूं।''

– सरफराज खान

मुंबई बल्लेबाज, मोहम्मद अजहरुद्दीन की तारीफ करते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ सुनील गावस्कर

भारत के पूर्व कप्तान और जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड पर भारत की जीत में कप्तान सूर्यकुमार यादव की शांत पारी की तारीफ की, और ईशान किशन के साथ एक अहम साझेदारी के दौरान उनकी मैच की समझ और दिखाई गई परिपक्वता पर जोर दिया। क्रिकेट लाइव पर, गावस्कर ने बताया कि कैसे सूर्यकुमार ने अपनी पारी के शुरुआती दौर का इस्तेमाल ''अपनी लय में आने'' के लिए किया, जबकि किशन दूसरे छोर से अटैक कर रहे थे। गावस्कर ने कहा, ''सूर्य की पारी ने दिखाया कि उन्हें स्थिति की जानकारी थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम 20 में 200 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा सबसे तेज करने वाली टीम बन गई है।

बीसीसीआई द्वारा सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर पर फिर से काम करने के कारण ए-प्लस कैटेगरी होल्ड पर

मुंबई, 24 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अपने पुरुषों के वार्षिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर में बदलाव करने जा रहा है, जिसमें आने वाले 2025-26 सीजन के लिए ए-प्लस कैटेगरी को खत्म किए जाने की संभावना है। यह फैसला सीनियर खिलाड़ियों, खासकर विराट कोहली और रोहित शर्मा की बदलती अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का नतीजा है, जो अब टेस्ट और टी20 से हटने के बाद सिर्फ़ वनडे के लिए उपलब्ध हैं। मौजूदा फ्रेमवर्क के तहत, ए-प्लस ब्रैकेट में सालाना 7 करोड़ रुपये का रिटेनर मिलता है, इसके बाद कैटेगरी ए में 5 करोड़ रुपये, कैटेगरी बी में 3 करोड़ रुपये और कैटेगरी सी में 1 करोड़ रुपये मिलते हैं। हालांकि, अगले साइकल के लिए, कॉन्ट्रैक्ट में सिर्फ़ ए, बी और सी कैटेगरी होने की उम्मीद है, जिससे फिलहाल टॉप टियर को सस्पेंड कर दिया जाएगा। पिछले सीज़न में, सिर्फ़ चार खिलाड़ी - रोहित, कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा - ए-प्लस ग्रुप का हिस्सा थे। उनमें से, बुमराह फिलहाल तीनों फॉर्मेट में एक्टिव एकमात्र खिलाड़ी हैं।

मोहित अवस्थी और मुशीर खान ने दिलाई मुंबई को जीत की सुगंध

हैदराबाद, 24 जनवरी। मोहित अवस्थी और मुशीर खान (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर मुम्बई ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद के दूसरी पारी में 166 के स्कोर पर सात विकेट झटक कर उसे हार की ओर ढकेल दिया है। आज यहां हैदराबाद ने कल के पहली पारी में 138 पर दो विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में कोडिमेला हिमातेजा (40) के रूप में हैदराबाद का तीसरा विकेट गिरा। इसके बाद राहुल सिंह (96), नितेश रेड्डी (छह), रोहित रायुडू (37), चामा मिलिंद (20), नितिन साई यादव (18) रन बनाकर आउट हुये।

फीफा विमेंस चैम्पियंस कप में हिस्सा लेने वालों को रिकॉर्ड प्राइज मनी देगा

जेनेवा, 24 जनवरी। वर्ल्ड फुटबॉल गवर्निंग बॉडी ने शुक्रवार को अनाउंस किया कि पहले फीफा विमेंस चैंपियंस कप विनर को रिकॉर्ड तोड़ प्राइज़ मनी दी जाएगी। फीफा ने कहा कि विमेंस चैंपियंस कप की फाइनल चैंपियन को 23 लाख डॉलर मिलेंगे, जबकि रनर-अप को 10 लाख डॉलर मिलेंगे। हर कॉन्फेडरेशन के चैंपियन इंटरकॉन्टिनेंटल क्लब टाइटल के लिए मुकाबला करेंगे।

न्यूज़ीलैंड को हराकर भारत की जीत की हैट्रिक

अंडर-19 विश्वकप

बुलावायो, 24 जनवरी। अमब्रिश (चार विकेट) और हेलिन पटेल (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी और कप्तान आयुष म्हात्रे (53) के शानदार अर्धशतक के दम पर भारतीय टीम ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप के वर्षा प्रभावित 24वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को डीएलएस पद्धित के तहत 141 गेंद शेष रहते सात विकेट से हरा दिया । वर्षा के कारण 37 ओवर के कर दिए गए मैच में भारत ने न्यूज़ीलैंड की टीम को 36.2 ओवर में 135 के स्कोर समेट दिया। भारत को 130 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जो उसने 13.3 ओवर में तीन विकेट पर 130 रन बनाकर हासिल कर लिया और जीत की हैट्रिक पूरी की। म्हात्रे ने 27 गेंदों पर 53 रन की आतिशी पारी में दो चौके और छह छक्के मारे। वैभव सूर्यवंशी ने 23 गेंदों पर 40 रन में दो चौके और तीन छक्के लगाए। विहान मल्होत्रा ने नाबाद 17 और वेदांत त्रिवेदी ने नाबाद 13 रन बनाये। आज यहां भारतीय अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 22 रन के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये।

ह्यूगो बोग (चार), टॉम जोन्स (दो), आर्यन मान (पांच), मार्को विलियम एल्पे (एक), स्नेहिथ रेड्डी 10 रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय जसकरन संधू और जैकब कॉटर की जोड़ी पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट लिये 37 रनों की साझेदारी हुई। 20वें ओवर में कनिष्क चौहान ने जसकरन संधू (18) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 69 के स्कोर पर मोहम्मद एनान ने जैकब कॉटर (23) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। सेल्विन संजय (28) और फ्लिन मोरे (एक) रन बनाकर आउट हुये। 37वें ओवर में हेलिन पटेल ने मेसन क्लार्क (चार) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड की पारी का 135 के स्कोर पर अंत कर दिया। कैलम सैमसन 37 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अमब्रिश ने चार विकेट लिये और हेलिन पटेल को तीन विकेट मिले। खिलन पटेल, मोहम्मद एनन और कनिष्क चौहान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विशाल बैद ने जीती बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी

जयपुर, 24 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-एयू इनविटेशन गोल्फ कप का छठा संस्करण शनिवार को रामबाग गोल्फ क्लब में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। जिसमें बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी विशाल बैद ने जीती। टूर्नामेंट विभिन्न हैंडीकैप श्रेणियों जैसे पुरुष, महिला, वेटरन 60 आदि स्टेबल फोर्ड फॉर्मेट में खेला गया था, जिसमें गोल्फर्स, ब्यूरोक्रेट्स और इंडस्ट्री मेंबर्स सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समारोह के दौरान अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया। विजेताओं की सूची इस प्रकार है- ब्लाइंड फोल्ड मॉन्स्टर का खिताब के.सी. गोयल ने जीता, जबकि क्लोज़ेस्ट टू द पिन का पुरस्कार डॉ. ज़ोहेब नक़वी को मिला। बेस्ट लेडी गोल्फर का सम्मान विमी भाटिया और बेस्ट वेटरन गोल्फर का खिताब कमल बोर्डिया ने प्राप्त किया। वहीं, हैंडीकैप श्रेणियों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

भारत टी-20 सीरीज कब्जाने उतरेगा

गुवाहाटी, 24 जनवरी। भारत रविवार को शाम 7 बजे यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज के तीसरे मैच में अपना दबदबा कायम रखने का लक्ष्य रखेगा।

सीरीज में 2-0 से आगे चल रहा भारत 3-0 से सीरीज जीतने की राह पर है, जबकि न्यूजीलैंड अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए उलटफेर करने की कोशिश करेगा। सभी की निगाहें भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर टिकी हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ टी20 मैचों में 316 रन बनाए हैं। उनकी लगातार अच्छी फॉर्म ने भारत के मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी है, और वह सीरीज में भारत की पकड़ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएंगे।

रायपुर में पिछले मैच में सूर्यकुमार ने 37 गेंदों में 221.62 के स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए थे, जबकि ईशान किशन ने 32 गेंदों में तेज 76 रन का योगदान दिया था। अभिषेक शर्मा की शुरुआती सीजन की फॉर्म, हार्दिक पांड्या की ऑलराउंड क्षमताएं और संजू सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी भारतीय टीम को और मजबूत बनाती है।

अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिसमें शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प प्रदान करेंगे। बरसापारा में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का औसत 185-190 रन रहा है, लेकिन इस बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर अनुशासित गेंदबाजी और गति में बदलाव महत्वपूर्ण रहेंगे। ऐतिहासिक रूप से, यहां टॉस जीतने वाली टीमें पहले गेंदबाजी करना पसंद करती हैं, क्योंकि पिछले मैचों में लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान साबित हुआ है।

इस बीच, न्यूजीलैंड अपनी बल्लेबाजी क्रम में एक स्थिर नंबर तीन बल्लेबाज की पहचान करने के लिए प्रयोग करना जारी रखे हुए है। डेरिल मिशेल से मिडिल ऑर्डर को मजबूत करने की उम्मीद है, जबकि रचिन रवींद्र और मिशेल सेंटनर फॉर्म में वापसी करने का लक्ष्य रखेंगे। हाल ही में विश्व कप टीम में शामिल किए गए काइल जैमीसन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिन्हें ईश सोढ़ी और जैकब डफी का समर्थन मिलेगा। डेवोन कॉनवे विकेटकीपिंग करेंगे, जबकि ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन और मार्क चैपमैन अतिरिक्त बल्लेबाजी गहराई प्रदान करेंगे।

हालिया फॉर्म से पता चलता है कि भारत ने अपने पिछले पांच टी20 मैचों में से चार जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड ने अपने पिछले पांच मैचों में से तीन जीते हैं। टी20 में दोनों टीमों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बताते हैं कि भारत ने 26 में से 13 मैच जीते हैं, न्यूजीलैंड ने 10 और तीन मैच टाई रहे। गुवाहाटी में मौसम धूप वाला और सूखा रहने का अनुमान है, तापमान लगभग 26सेल्सियस, 52 की सामान्य नमी और 6 किमी/घंटा की हल्की हवाएं चलेंगी, जो क्रिकेट के लिए आदर्श स्थिति है।

टीमें - भारत : संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अक्षर पटेल, श्रेयस अय्यर

न्यूजीलैंड : डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), टिम रॉबिन्सन, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, जेम्स नीशम, मैट हेनरी, माइकल ब्रेसवेल, ज़ैकरी फाउल्क्स, बेवन जैकब्स। सूर्यकुमार के शानदार फॉर्म में होने, भारत की संतुलित टीम और पिच की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए, मेजबान टीम के सीरीज में क्लीन स्वीप करने की पूरी संभावना है। क्रिकेट प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक होंगे कि क्या न्यूजीलैंड आखिरी समय में वापसी कर पाता है या भारत बरसापारा में अपना दबदबा बनाए रखेगा।

मोखलेसुर रहमान पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू : बीसीबी

ढाका, 24 जनवरी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड की इंटीग्रिटी यूनिट ने बोर्ड निदेशक मोखलेसुर रहमान पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। बीसीबी ने बताया कि रहमान ने बोर्ड की ऑडिट कमेटी के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया है। इस सीजन के बीपीएल से जुड़े ये आरोप पत्रकार रियासाद अजीम की एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में लगाए गए थे। उन्होंने गुरुवार को अपने अधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट किया था। आईसीसी इंटीग्रिटी यूनिट के पूर्व प्रमुख रहे एलेक्स मार्शल बीसीबी की इंटीग्रिटी यूनिट की अगुवाई कर रहे हैं। उनके पास पहले से ही बोर्ड द्वारा बनाई गई एक इंडिपेंडेंट कमेटी की 900 पन्नों की रिपोर्ट है, जिसमें पिछले बीपीएल सीजन में भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में बताया गया ।

बांग्लादेश टी-20 विश्वकप से बाहर, उनकी जगह खेलेगा स्कॉटलैंड : आईसीसी

दुबई, 24 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को बंगलादेश के अड़ियल रवैये पर सख्त रुख अख्तियार करते हुए सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी-20 विश्वकप में उसकी जगह स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा कर दी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी संजोग गुप्ता ने बोर्ड को औपचारिक रूप से पत्र लिखा कि बंगलादेश की मांगें बोर्ड की पॉलिसी के हिसाब से नहीं है। बोर्ड के सभी सदस्यों को लिखे गए इस पत्र में गुप्ता ने बताया कि बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) आईसीसी बोर्ड के फैसले का पालन नहीं कर रहा था और इस बड़े इवेंट के लिए बंगलादेश की जगह किसी दूसरे देश, इस मामले में स्कॉटलैंड को बुलाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। इस पत्र की कॉपी बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम को भी भेजी गई है, जो आईसीसी बोर्ड के सदस्य हैं।

उन्होंने क्रिकेट स्कॉटलैंड को भी लिखा और उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाली चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक न्योता भेजा। क्रिकबज ने क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी ट्रुडी लिंडब्लेड से संपर्क किया। उनकी ओर से कोई तुरंत जवाब नहीं मिला, लेकिन वेबसाइट को पता चला है कि शनिवार सुबह दुबई और एडिनबर्ग के बीच हॉटलाइन शुरू हो गई थीं।

राजधानी

प्राकृतिक खेती से 2 लाख 50 हजार किसानों को मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मिल रही नई दिशा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ टिकाऊ खेती को मिल रहा प्रोत्साहन, खेती की लागत हो रही कम

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि रसायनों पर निर्भरता कम होने के साथ ही यह क्षेत्र टिकाऊ कृषि की ओर अग्रसर हो। सरकार का लक्ष्य किसानों को रसायन-मुक्त और टिकाऊ प्राकृतिक खेती की ओर प्रोत्साहित करना है, जिससे मिट्टी की उत्पादकता में सुधार हो, खेती की लागत कम हो, किसानों की आय बढ़े और अधिकतम उपज प्राप्त हो सके। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में व्यापक एवं दूरदर्शी कार्ययोजना की घोषणा की गई है। इसके तहत 2 लाख 50 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 2 लाख 25 हजार किसानों को केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत योगदान दे रही है। अतिरिक्त 25 हजार किसानों को राज्य सरकार द्वारा शत् प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

प्राकृतिक खेती को संगठित रूप से लागू करने के लिए 125 किसानों के 50 हैक्टेयर क्षेत्र में 1 कलस्टर का गठन किया गया है। योजनान्तर्गत राज्य के सभी जिलों में 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में 2 हजार कलस्टर बनाये गये हैं। मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किसानों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उदयपुर के प्राकृतिक खेती केंद्र द्वारा विभागीय अधिकारियों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं किसान मास्टर ट्रेनरों को भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

चयनित कलस्टरों में किसानों में जागरुकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कलस्टर में किसानों के साथ समन्वय हेतु कृषि सखी/सीआरपी की नियुक्ति की गई है। इन कृषि सखियों को कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करा सकें।प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए चयनित किसानों को प्रति एकड़ 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। यह राशि ऑन-फार्म इनपुट उत्पादन इकाइयों के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रही है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि स्थानीय स्तर पर किसानों को प्राकृतिक उर्वरक एवं जैविक आदानों की आसानी से उपलब्धता हो। इस हेतु कृषि विभाग द्वारा बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं। कार्ययोजना के तहत प्रत्येक बायो इनपुट संसाधन केंद्र के लिए 1 लाख रुपये का प्रावधान है, ताकि स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक उर्वरक तैयार हो सके। अब तक 180 बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित हो चुके हैं। राज्य सरकार की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनायेगी, साथ ही स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित पर्यावरण और सतत् कृषि विकास की दिशा में राज्य को एक नई पहचान दिलाएगी।

2 दिनों में 687 ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन हुआ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन हो रहा है। प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित हो रहे एक दिवसीय शिविर मेंग्रामीणों व विशेष रूप से किसानों एवं पशुपालकों को 12 विभागों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, इन योजनाओं का लाभ पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्राम उत्थान शिविरों केपहले दिन 23 जनवरी को प्रदेशभर में आयोजित हुए कुल 366 शिविरों में2 लाख 11 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया।वहीं, दूसरे दिन 24 जनवरी को 321 शिविर आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने किसानों व पशुपालकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आगामी ग्राम उत्थान शिविरों में सहभागी बनें और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी से प्रथम चरण में प्रारंभ हुए ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन आगामी 25 व 31 जनवरी को किया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण में 1 फरवरी एवं 5 से 9 फरवरी तक भी प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर इन शिविरों का आयोजन होगा। प्रदेशभर में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक यह शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

हमारा देश ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' का साकार रूप : हरिभाऊ बागड़े

लोकभवन में उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर का स्थापना दिवस मनाया गया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर राज्यों के स्थापना दिवस पर शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

जयपुर (कासं)। लोकभवन में शनिवार को उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के राजस्थान में रहने वाले निवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सभी को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभाने का आव्हान किया। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सासंद डॉ. दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि विविधता में एकता लिए हमारा देश ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' है। राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी संस्कृति को हम उत्सव रूप में मनाएं। उन्होंने उत्तरप्रदेश को देश का सबसे बड़ा राज्य बताते हुए भारत के भाल रूप में इस राज्य की सांस्कृतिक विशेषताओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अयोध्या का राम लल्ला का मंदिर और कुंभ का ऐतिहासिक प्रयागराज मेला विश्व के बड़े आकर्षण है। राज्यपाल ने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को पूर्वोत्तर के प्रमुख राज्य बताते हुए इन राज्यों की जनजातीय और प्रकृति से जुड़ी संस्कृति को महत्वपूर्ण बताया।

मधुमक्खी पालन से किसानों की आय होगी दोगुनी : कृषि मंत्री

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने शनिवार को ''हाई वैल्यू मधुमक्खी उत्पादन: तकनीकी, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य एवं संभावनाएं'' विषयक सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित किया।

■ राजस्थान बनेगा शहद उत्पादन का हब : डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

जयपुर (कासं)। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि प्रदेश के किसानों और पशुपालकों के आर्थिक विकास एवं सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने किसानों से आव्हान किया कि वे कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में नवीन तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं, जिससे आय में वृद्धि हो और किसान आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। डॉ. किरोड़ीलाल शनिवार को कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुर (जयपुर) में आयोजित ''हाई वैल्यू मधुमक्खी उत्पादन: तकनीकी, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य एवं संभावनाएं'' विषयक दो दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश का किसान मेहनती और ईमानदार है तथा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार के जरिए राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से किसान तेजी से प्रगतिशील बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि आईसीएआर के अनुसार मधुमक्खी पालन से संबंधित क्षेत्रों में फसलों की पैदावार में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विशाल भौगोलिक क्षेत्र वाला प्रदेश है, जहां जंगली और कृषि दोनों प्रकार की वनस्पतियों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध है। यहां मकरंद और पराग की प्रचुरता मधुमक्खी पालन के लिए प्रदेश को अत्यंत अनुकूल बनाती है। मधुमक्खी पालन अब किसानों के लिए आय का सशक्त स्त्रोत बन चुका है और किसान खेती के साथ शहद उत्पादन कर आय में वृद्धि कर रहे हैं। डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि देश के कुल शहद उत्पादन में राजस्थान की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत है और प्रदेश देश के पांच अग्रणी शहद उत्पादक राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्रदेश में 3 हजार 350 मधुमक्खी पालकों के पास 2 लाख 76 हजार मधुमक्खी कॉलोनियां हैं, जिनसे लगभग 8 हजार 500 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हो रहा है। शहद उत्पादन में अलवर, भरतपुर और हनुमानगढ़ अग्रणी जिले हैं।

बदमाशों की मदद करने वाला पकड़ा

जयपुर। ब्रह्मपुरी पुलिस ने 19 जनवरी को हुई फायरिंग के मामले में कार्रवाई करते हुए वारदात में सहयोग करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मुख्य बदमाशों को अपनी मोटरसाइकिल और रुपये देकर वारदात व फरारी में मदद की थी। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 19 जनवरी 2026 को परिवादी रतन लाल कोली महावर (63) निवासी गांगापोल ब्रह्मपुरी ने मामला दर्ज करवाया था कि आरोपित रवि मेहरा अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से परिवादी के घर के बाहर आया और जान से मारने की नीयत से उसके बबलू पर गोली चला दी। गोली बबलू की जांघ में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

'महिलाओं को 3 गुणा मेहनत पर मिलता है राजनीति में स्थान'

जाट आरक्षण वसुन्धरा राजे ने बचाया : राजा राम मील

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि महिलाओं को पुरुषों से तीन गुना अधिक मेहनत करनी पड़ती है, तब जाकर उन्हें राजनीति में स्थान मिलता है। वे शनिवार को विधानसभा के नजदीक स्थित कॉन्सिट्यूशन क्लब में आयोजित जाट महिला शक्ति संगम कार्यक्रम में बोल रही थी। कार्यक्रम में जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने कहा कि जाट आरक्षण वसुन्धरा राजे ने बचाया।यहाँ तक कि धौलपुर और भरतपुर के जाटों को आरक्षण भी वसुन्धरा राजे ने दिलवाया। राजे ने कहा कि आजादी के समय भारत में महिलाओं की साक्षरता दर 9 प्रतिशत थी, आज 65 प्रतिशत है। देश के आम चुनावों में चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की संख्या 10 प्रतिशत है,जबकि 1957 में सिर्फ 3 प्रतिशत ही थी।

श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर रामराज्य को साकार बनायें- भजनलाल

मुख्यमंत्री रामगंजमंडी में पं.धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा में शामिल हुए

रामगंजमंडी, 24 जनवरी (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को रामगंजमंडी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा एवं गौ महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने अपनी सरल और प्रभावशाली वाणी से करोड़ों लोगों के जीवन में धर्म का दीपक जलाकर सनातन धर्म को सीधे लोगों के दिल में पहुंचाने का अद्भुत कार्य किया है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को रामगंजमंडी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा एवं गौ महोत्सव में शामिल हुए।

करते हुए कहा कि रामकथा केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की पाठशाला है। यह हमें बेटे के धर्म, भाई के प्रेम, पति के समर्पण और राजा के कर्तव्य से अवगत कराती है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रामराज्य की संकल्पना को साकार कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नदियों, पहाड़ों, वृक्षों और गौ माता को पूजने की परम्परा है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें दिव्य रामकथा का श्रवण करने का अवसर मिल रहा है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने अपनी सरल और प्रभावशाली वाणी से करोड़ों लोगों के जीवन में धर्म का दीपक जलाकर सनातन धर्म को सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य किया है। शास्त्री जी की वाणी में वह सहजता है, जो आम आदमी को छू जाती है। ये युवा पीढ़ी को सनातन धर्म की महानता से परिचित करवा रहे हैं।

इस अवसर पर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने दुपट्टा ओढ़ाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर व विधायक कल्पना देवी सहित, संत-महंत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुजरात में एसयूवी-ट्रक टक्कर में 6 मरे

बनासकांठा (गुजरात), 24 जनवरी। गुजरात के बनासकांठा जिले में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों भरे सफर को मातम में बदल दिया। आबू-पालनपुर हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर पार कर एसयूवी से टकरा गया, जिससे छह लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लंबा जाम लग गया।

पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना शाम करीब सात बजे इक़बालगढ़ गांव के पास हुई। राजस्थान से गुजरात की ओर जा रहा ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा, डिवाइडर कूद गया और सामने से आ रही एसयूवी से टकरा गया। टक्कर इतनी

- **आबू-पालनपुर हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर कूद कर एसयूवी से टकराया।**

जोरदार थी कि एसयूवी के परखच्चे उड़ गए। वाहन में सवार लोग संभल भी नहीं पाए। पुलिस ने बताया कि एसयूवी में कुल नौ लोग सवार थे, जो राजस्थान से इलाज के लिए पालनपुर जा रहे थे। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला भी शामिल है। तीन घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। अमीरगढ़ पुलिस स्टेशन के निरीक्षक पी.डी. गोहिल ने बताया कि ट्रक को मौके पर छोड़ दिया गया है और चालक की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

बिना मान्यता ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट कर रही कंपनियों पर कब लगेगी रोक?

दिल्ली हाईकोर्ट ने नाराजगी जताते हुए सरकार से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा

-यादवेन्द्र शर्मा-

- **अदालत ने पूछा कि वर्ष 2020 में जब आदेश दिए जा चुके हैं तो साढ़े 5 साल में भी नियम क्यों नहीं बन पाए?**
- **जयपुर के डॉ. रोहित जैन ने एमेज़ॉन दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, जयपुर और हैदराबाद के 450 पिनकोड एरिया में ऑनलाइन मेडिकल सुविधा देने के प्रकरण को भी अदालत से साझा किया।**

जयपुर, 24 जनवरी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार पर नाराजगी जताते हुए पूछा है कि बिना सरकारी मान्यता के ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट कैसे बुक किए जा रहे हैं और सरकार इन लैब संचालकों पर क्या कार्रवाई कर रही है? जबकि हाईकोर्ट 6 अगस्त 2020 को ही इस संबंध में कार्रवाई के आदेश दे चुका है। अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार शपथ पत्र पेश करके बताए कि कब तक इस संबंध में नियम बनाए जाएंगे। साथ ही यह भी स्पष्ट करे कि इन नियमों के दायरे में ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट की बुकिंग कर रही कंपनियां भी आएंगी अथवा नहीं। अदालत ने इस मामले की सुनवाई 15 जुलाई 2026 को रखी है। जस्टिस सचिन दत्ता की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. रोहित जैन द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जयपुर निवासी याचिकाकर्ता डॉ. रोहित जैन की ओर से अधिवक्ता शशांक देव सुधी ने अदालत को बताया कि एमेज़ॉन इंडिया द्वारा दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, जयपुर और हैदराबाद जैसे कई बड़े शहरों में 450 पिनकोड एरिया में ऑनलाइन मेडिकल सुविधा दी जा रही है। इसके लिए एमेज़ॉन भारत द्वारा नोएडा की ऑरेंज हैल्थ लैब से अनुबंध किया हुआ बताया जा रहा है। परंतु हैरानी की बात यह है कि एमेज़ॉन द्वारा जो मेडिकल जांचें बुक की जा रही हैं, उनकी जो रिपोर्ट जारी होती है, उनमें यह अंकित नहीं होता है कि यह रिपोर्ट किस डॉक्टर ने सत्यापित की है, अथवा नोएडा की जिस लैब से यह रिपोर्ट जारी की जा रही है, उसका संचालक कौन है? यह जानकारी छिपाना पूरी तरह गैरकानूनी है। इसके बावजूद केन्द्र और दिल्ली सरकार इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं, जबकि इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी.एम.आर.) अथवा नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेट्रीज़ (एन.ए.बी.एल.) से मान्यता प्राप्त लैब ही वैध रूप से मेडिकल जांच कर सकती है। ऐसे में एमेज़ॉन और ऑरेंज हैल्थ लैब की मेडिकल रिपोर्ट की सत्यता पर भी संदेह है। यह आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने जैसा है।

इस प्रकरण में दिल्ली सरकार ने नियमावली बनाने के लिए अदालत से समय मांगा और कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के वर्ष 2020 के आदेश का अध्ययन किया जा रहा है। जल्द ही मजबूत कानून बनानकर ऐसी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे गैरकानूनी मेडिकल लैब पर कार्रवाई की जा सके। इस पर अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार शपथ पत्र पेश करके बताए कि आखिर कब तक इस संबंध में नियम बना लिए जाएंगे। साथ ही यह भी स्पष्ट करे कि इन नियमों के दायरे में ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट की बुकिंग कर रही कंपनियां भी आएंगी अथवा नहीं। अदालत ने इस मामले की सुनवाई 15 जुलाई 2026 को रखी है।

गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में गत 20 जनवरी को सुनवाई करते हुए आदेश दिए हैं कि इन ऑनलाइन मेडिकल लैब संचालकों, जिन्हें भारत सरकार की किसी भी संस्था या विभाग से मान्यता प्राप्त नहीं है, पर कार्रवाई करने के लिए 6 अगस्त 2020 को आदेश दिए गए थे, जिसमें साफ कहा था कि दिल्ली सरकार "क्लीनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट 2010" की पालना करे और इन अवैध लैबों पर कार्रवाई करें।

डॉ. रोहित जैन की ओर से अदालत में बताया गया कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के 5 साल बाद भी दिल्ली सरकार इन फर्जी ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई कदम नहीं उठा पायी। इसी का नतीजा है कि वर्ष 2025 में "एमेज़ॉन भारत" ने भी तथाकथित "ऑरेंज हैल्थ लैब" के साथ मिलकर ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट की सुविधा देश के कई महानगरों में शुरु कर दी। हैरानी की बात है कि एमेज़ॉन इंडिया दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, जयपुर और हैदराबाद जैसे कई बड़े शहरों में 450 पिनकोड एरिया में यह सुविधा देने का दावा कर रही है। परंतु सवाल यह उठता है कि कई शहरों की मेडिकल जांच के सैंपल आखिर एक ही लैब से किस प्रकार टैस्ट कर रिपोर्ट जारी की जा रही है। इतनी भारी संख्या में मेडिकल जांच करना किसी एकमात्र लैब के लिए संभव ही नहीं है। दूसरी ओर एमेज़ॉन इंडिया ई-कॉमर्स वेबसाइट है, जिसे मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी निजी जानकारी मिल रही है, जिसे वह अन्य मेडिकल संस्थाओं को बेच सकता है।

पुरानों पर संदेह है और नयों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले साल अक्टूबर में ही शी जिनपिंग ने सी.एम.सी. के अन्य वरिष्ठ जनरलों को "गंभीर कदाचार" के आरोपों में बर्खास्त कर दिया था। आमतौर पर इन आरोपों का मतलब भ्रष्टाचार होता है। ऐसे मामलों में आरोपित अधिकारियों को अपनी सफाई देने का लगभग कोई मौका नहीं मिलता और उन्हें सभी आरोप स्वीकार कर सार्वजनिक रूप से अपने आचरण की निंदा करनी पड़ती है।

चीन के पुनरुत्थान के सूत्रधार देंग शियाओपिंग को भी माओ त्से तुंग के दौर में बार-बार ऐसे ही आरोपों का सामना करना पड़ा था। सांस्कृतिक क्रांति के दौरान और उसके बाद माओ के अस्थिर रवैये के कारण देंग को भारी अपमान सहना पड़ा। माओ की मृत्यु के बाद ही उनका पुनर्वास हो सका।

जनरल झांग पर भी अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। उनके भविष्य को लेकर अफवाहें तब तेज हो गई थीं, जब वे जनरल ल्यू झेनली के साथ कई पार्टी कार्यक्रमों और शीर्ष सैन्य बैठकों में नजर नहीं आए।

जनरल ल्यू झेनली भी शीर्ष स्तर के सैन्य नेता थे और सेना के कुछ सबसे संवेदनशील कमांड क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभालते थे। ये सभी कार्रवाहियाँ पिछले साल अक्टूबर में नौ शीर्ष सैन्य कमांडरों को बाहर किए जाने के बाद हुईं।

इतने बड़े पैमाने पर वरिष्ठ सैन्य नेताओं के अचानक हटने से चीन की सैन्य कमान संरचना में बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। इनमें जनरल झांग को सबसे अहम माना जाता था, क्योंकि शीर्ष नेतृत्व में उनके पास वास्तविक सैन्य अनुभव सबसे अधिक था।

जनरल झांग को सैन्य ढ ांचे में दूसरे नंबर का अधिकारी माना जाता था, क्योंकि वे सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष थे। इस संस्था के अध्यक्ष स्वयं राष्ट्रपति शी जिनपिंग हैं और अब केवल एक और सदस्य ही बचा है।

चीनी सैन्य व्यवस्था को समझने वाले विश्लेषकों का मानना है कि सेना के शीर्ष स्तर पर व्यापक भ्रष्टाचार मौजूद है। साथ ही, सेना हमेशा सत्ता संघर्ष का सबसे अहम केन्द्र भी रही है। जिस नेता के पास सेना का नियंत्रण होता है, वही सत्ता में बने रहने की उम्मीद कर सकता है।

अपने समय में देंग शियाओपिंग ने भी इसी तरीके से सत्ता बनाए रखी थी, और आज शी जिनपिंग भी वही कर रहे हैं। हालांकि माओ इतने शक्तिशाली थे कि सेना पर पकड़ होने के बावजूद वे देंग को हटाने में सफल रहे।

पर्यवेक्षकों का मानना है कि अब राष्ट्रपति शी ने ऐसा व्यापक नियंत्रण तंत्र खड़ा कर लिया है कि वे लगातार सैन्य सफाए के बावजूद, सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकते हैं। भ्रष्टाचार खत्म करने का उनका अभियान इस लक्ष्य को हासिल करने का एक प्रभावी साधन बन गया है।

फिर भी, शी जिनपिंग ने चीनी प्रशासन और राज्य व्यवस्था के बड़े हिस्से को अपने से दूर कर लिया है। वे अब लगातार अपने वफादार गुट पर निर्भर होते जा रहे हैं, जिससे सक्षम और प्रभावी लोगों को निकलने की स्थिति और ज्यादा बन रही है।

इन शीर्ष विशेषज्ञों को हटाने और उनकी विशेषज्ञता खोने से सरकारी व्यवस्था और कमजोर होती जा रही है। स्थिति इतनी नाजुक हो चुकी है कि शी जिनपिंग अब शीर्ष पदों पर खाली जगह भरने के लिए नए लोगों की नियुक्ति भी नहीं कर पा रहे हैं।

इसका मुख्य कारण यह है कि शी अपने सबसे करीबी भरोसेमंद लोगों को भी खोते जा रहे हैं और उन्हें नए लोगों की निष्ठा पर संदेह होने लगा है। जनरल झांग, हटाए जाने से पहले तक, सीएमसी के उपाध्यक्ष के रूप में शी जिनपिंग के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते थे। उन्हें स्वयं शी ने नियुक्त किया था और अचानक हटाए जाने तक वे सैकंड इन कमांड बने रहे।

जनरल झांग और राष्ट्रपति शी एक ही तरह की पृष्ठभूमि से आए थे, जिससे झांग को उनका भरोसेमंद सहयोगी माना जाता था। जनरल झांग के पिता माओ के शासनकाल में एक सफल सैन्य कमांडर थे, लेकिन बाद में उन्हें भी वही सफाया झेलना पड़ा, जो राष्ट्रपति शी के पिता को सहना पड़ा था। बाद में दोनों का आंशिक पुनर्वास हुआ।

इस तरह शी और झांग दोनों ही चीनी सामाजिक ढ ांचे के तथाकथित "राजकुमार" थे और उन्होंने काफी हद तक एक जैसे करियर रास्ते अपनाए।

यह लगभग तय माना जा रहा है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस समय अपनी राज्य व्यवस्था के शीर्ष स्तर पर, खासकर सैन्य ढ ांचे में, गंभीर नेतृत्व संकट का सामना कर रहे हैं।

वर्षा के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बेहद खराब माना जाता है।

भारत से 25 प्रतिशत टैक्स हटा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, 24 जनवरी। अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने के कारण 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। इस बीच अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने दावा किया है कि भारत ने रूस से आयात करना कम कर दिया है, जिसके चलते जल्द ही 25 फीसदी टैरिफ हटाया जा सकता है। बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। बेसेंट ने पॉलिटिको को दिए एक इंटरव्यू में बताया, भारत पर टैरिफ अभी भी लागू है, लेकिन भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद में कमी की है, जिससे भारत ने ट्रंप सरकार को इस टैरिफ पर विचार करने का मौका दिया है। स्कॉट बेसेंट ने कहा, अमेरिका ने यूक्रेन पर हमले के बाद भारत को रूसी तेल खरीदने से रोकने के लिए 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। अमेरिका ने उस समय बताया था कि भारतीय रिफाइनरियों ने डिस्काउंटेड रूसी कच्चे तेल की खरीदारी काफी बढ़ा दी, लेकिन देखा जाए तो अब ये खरीदारी पूरी तरह से बंद हो गई है। बेसेंट ने आगे कहा, भारत ने अब जब रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है तो अमेरिका भी टैरिफ हटाने पर विचार कर सकता है। स्कॉट बेसेंट ने भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों पर पड़े असर को अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी की सफलता बताया।

थरूर ने कैनडा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया, जो औपचारिक कूटनीति तो कम, एक स्पष्ट चेतावनी ज़्यादा था। मूल रूप से उन्होंने एक ऐसा 'सर्वाइवल मैनुअल' पेश किया, जिसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी।

कैनडा के प्रधानमंत्री कार्नी, जो लंदन और ओटावा के केन्द्रीय बैंकिंग बोर्डरूम से निकलकर एक जी7 देश के नेतृत्व तक पहुंचे हैं, ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए वैश्विक व्यवस्था में किसी साधारण बदलाव के बजाय, एक गहरी टूटन की बात कही। थरूर ने कहा कि कार्नी ने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अंत की घोषणा की और चेतावनी दी कि थ्यूसीडाइड्स की प्रसिद्ध उक्ति , ताक़तवर जो कर सकता है, वह करता है, और कमज़ोर वही सहता है, जो उसे सहना पड़ता है, अब कोई ऐतिहासिक संदर्भ नहीं, बल्कि हमारी मौजूदा वास्तविकता है।

थरूर ने कहा कि भारतीय श्रोताओं के लिए कार्नी का विश्लेषण जाना पहचाना है, हालांकि बेचैन करने वाली, स्पष्टता से भरा हुआ है। थरूर ने उन्होंने कहा, जब हम 2026 में आगे बढ़ रहे हैं, तो वह वैश्विक ढांचा, जिस पर हमने व्यापार और सुरक्षा के लिए भरोसा किया था और जिसने दुनिया में हमारी भूमिका को परिभाषित किया, राष्ट्रपति ट्रंप की महाशक्ति-आधारित लेन-देन की नीति द्वारा सुनियोजित रूप से तोड़ा जा रहा है। हमें भी स्थिति को लेकर उतनी ही ईमानदारी दिखानी होगी, जितनी कार्नी ने अपने भाषण में दिखाई।

राहुल भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सलाह देते और निर्णय लेते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। वर्तमान में कोई वरिष्ठ नेता स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता, और राज्यों से बुलाए गए नए नेता अनुभवहीन हैं।

ऐसा लगता है कि राहुल गांधी पार्टी को उन लोगों के हाथ में छोड़कर खुश हैं, जिनके पास न तो राजनीतिक अनुभव है और न ही वर्तमान गला काट राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को समझने की क्षमता है, जिसमें कांग्रेस का मुकाबला भाजपा और उसकी संगठित राजनैतिक व चुनावी मशीनरी से है।

अतीत के पार्टी स्तंभ अब गायब हैं और राज्यवार फोटो लाइनअप में केवल नए चेहरों को देखा जा सकता है, जिनके पास अनुभव नगण्य है।

'बिहार चुनाव में कई सीटों पर टिकट बेचे गए'

- **राजद के विधायक भाई वीरेन्द्र ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए**

पटना, 24 जनवरी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक भाई वीरेन्द्र ने शनिवार को अपनी ही पार्टी पर आरोप लगाया और कहा कि हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने अपने प्रभाव से टिकट बेचे, जिसके कारण राजद को करारी हार का सामना करना पड़ा।

वीरेन्द्र ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इसकी जिम्मेदारी तय करने के लिए गहन जांच की जानी चाहिए।

राजद विधायक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ पार्टी नेताओं की संदिग्ध भूमिका के कारण राजद ने चुनाव में वास्तविक और योग्य उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया। उन्होंने बताया कि एक वरिष्ठ नेता के पास तीन जिलों रोहतास, कैमूर और बक्सर की जिम्मेदारी थी, लेकिन उनका व्यवहार, आचरण और सिद्धांत समाजवादी भावना के अनुकूल नहीं था।

राजद विधायक ने कहा कि एक खास नेता टिकट आवंटन में गलत उम्मीदवारों के चयन के लिए जिम्मेदार थे, जिसके कारण राजद का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने पार्टी से मांग की कि ऐसे नेताओं को बेनकाब करने के लिए गहन जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राजद के पूर्व विधायक और एक ईमानदार एवं प्रतिबद्ध कार्यकर्ता विजय मंडल को गलत चयन के कारण पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी टिकट नहीं दिया गया। इस बीच राजद विधायक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि उनके आरोपों से यह आशंका अब सच में तब्दील हो गई है कि राजद में टिकट बेचे गए। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को करारी हार झेलनी पड़ी। गौरतलब है कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को केवल 25 सीटें मिली थीं, जो वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में जीती गई 75 सीटों की तुलना में भारी गिरावट है।

जो मुद्दे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ उठाना है, न कि किसी सार्वजनिक मंच पर।" उन्होंने यह भी कहा कि वे संसद सत्र के लिए दिल्ली जाएंगे, जहां उन्हें पार्टी नेतृत्व के साथ एक उचित और सुव्यवस्थित बातचीत का अवसर मिलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा, "मैं पिछले 17 वर्षों से कांग्रेस में हूं। जो भी गलत हुआ है, उसे संबोधित किया जाना चाहिए और सही मंच पर किया जाएगा।"

ट्रम्प के "गाज़ा स्ट्रिप प्लान" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी अधिकारियों ने असामान्य रूप से कड़े शब्दों में स्पष्ट किया कि अमेरिका इज़रायल की आपत्तियों की परवाह किए बिना इस ढांचे के साथ आगे बढ़ेगा। संदेश साफ था: अमेरिकी धैर्य कम हो रहा है, और नेतन्याहू सरकार के साथ स्वत:स्फूर्त रणनीतिक तालमेल का दौर खत्म हो चुका है।

यह प्रकरण ट्रंप के वाइट हाउस की गठबंधनों को लेकर बदलती सोच को दर्शाता है। ट्रंप ने कभी भी अपनी लेन-देन आधारित विदेश नीति को छिपाया नहीं है। नाटो से लेकर पूर्वी एशिया तक, वे बार-बार संकेत देते रहे हैं कि गठबंधन पवित्र प्रतिबद्धताएं नहीं, बल्कि उपकरण हैं। इस दृष्टिकोण में, इज़रायल-जिसे ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी विदेश नीति में लगभग अपवाद माना जाता रहा है-भी तब दबाव से मुक्त नहीं है जब अमेरिकी रणनीतिक प्राथमिकताएं अलग दिशा में जा रही हैं।

ग़ाज़ा को लेकर वॉशिंगटन की योजना कई परस्पर जुड़ी मजबूरियों से प्रेरित है। पहला, अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय दबाव है कि वह ग़ाज़ा के लिए एक विश्वसनीय शासन-मार्ग प्रस्तुत करे जब बड़े सैन्य अभियान समाप्त हों। दूसरा, वॉशिंगटन ऐसी क्षेत्रीय शक्तियों की भागीदारी चाहता है जो धन, प्रशासनिक क्षमता और कूटनीतिक समर्थन दे सकें, जो निकट भविष्य में न तो इज़रायल और न ही फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण अकेले प्रदान कर सकते हैं। क़तर के पास धन है और वह हमास को भी प्रभावित करता है, तुर्की क्षेत्रीय प्रभाव और मुस्लिम दुनिया में पकड़ रखता है। अमेरिकी दृष्टि से, उन्हें बाहर रखना इज़रायल के लिए राजनीतिक रूप से आरामदेह हो सकता है, लेकिन रणनीतिक रूप से अव्यावहारिक है।

नेतन्याहू के लिए, यह योजना उनके राजनीतिक अस्तित्व के मूल पर प्रहार करती है। कोई भी युद्धोत्तर व्यवस्था जो घरेलू स्तर पर इज़रायल की सुरक्षा से समझौता करती दिखे-या इज़रायल के प्रति शत्रुतापूर्ण ताक़तों को सशक्त करती लगे-उनके पहले से नाज़ुक गठबंधन को तोड़ सकती है। वॉशिंगटन के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कड़ा रुख अपनाना उन्हें अपने समर्थक आधार के सामने मजबूती का संकेत देने का अवसर भी देता है, ऐसे समय में जब देश के भीतर उनका नेतृत्व सवालों के घेरे में है।

तो सवाल यह है कि क्या ट्रंप इतने खुले तौर पर आगे बढ़कर सहयोगियों को खोने का जोखिम उठा रहे हैं?

इसका जवाब साधारण हां या ना में नहीं है। ट्रंप के कारण इज़रायल को पारंपरिक अर्थों में "खोना" अमेरिका के लिए संभव नहीं दिखता। सैन्य सहयोग, खुफिया साझेदारी और गहरे संस्थागत रिश्ते बरकरार हैं, और इज़रायल के पास अमेरिकी समर्थन के व्यवहारिक विकल्प बहुत कम हैं। लेकिन जो स्पष्ट रूप से कमजोर पड़ रहा है, वह है बिना सवाल के रणनीतिक तालमेल की धारणा। सहयोगियों को अब यह संदेश मिल रहा है कि असहमति वॉशिंगटन को कदम उठाने से नहीं रोकेगी-और यह संदेश इज़रायल से कहीं आगे तक गूंज रहा है। यूरोप में भी सुरक्षा और व्यापार पर अमेरिकी अनिश्चितता को लेकर इसी तरह की चिंताएं उभरी हैं। मध्य पूर्व में साझेदार अपने विकल्पों का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, संतुलन बना रहे हैं और संबंधों में विविधता ला रहे हैं। ग़ाज़ा विवाद इस बढ़ती धारणा को मजबूत करता है कि ट्रंप के तहत अमेरिकी नीति दीर्घकालिक गठबंधन प्रबंधन के बजाय अल्पकालिक दबाव को प्राथमिकता देती है।

वॉशिंगटन के लिए इस दृष्टिकोण में जोखिम हैं। सहयोगी सामरिक रूप से तो सहयोग कर सकते हैं, लेकिन समय के साथ चुपचाप अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं। एक बार भरोसा कमज़ोर पड़ जाए, तो उसे बहाल करना कठिन होता है-और सार्वजनिक टकराव उस क्षरण को और भी स्पष्ट कर देते हैं।

फिर भी ट्रंप के दृष्टिकोण से यह गणना जानबूझकर की गई लगती है। वे गठबंधनों में तनाव स्वीकार करने को तैयार दिखते हैं, यदि इससे अमेरिका बातचीत को लंबा खींचने के बजाय परिणाम थोप सके। ग़ाज़ा के मामले में वाइट हाउस को लगता है कि देरी और अत्यधिक रियायतें केवल अस्थिरता को बढ़ाएंगी-भले ही इसके लिए इज़रायल की आपत्तियों को दरकिनार करना पड़े।

ग़ाज़ा निगरानी बोर्ड सफल होगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन यह प्रकरण एक मोड़ ज़रूर दर्शाता है: अमेरिका-इज़रायल संबंध अब स्वत:संचालित मोड में नहीं हैं। और यही बदलाव, जो योजना से अधिक है, वह बात है जिसे दुनिया भर के सहयोगी सबसे ध्यान से देख रहे हैं।

गणतंत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह ऐतिहासिक संयुक्त निमंत्रण एक मजबूत कूटनीतिक पहल का संकेत देता है और साथ ही यूरोपीय यूनियन (ईयू) को एकीकृत रणनीतिक साझेदार के रूप में नई दिल्ली की भागीदारी में बड़े बदलाव को दर्शाता है। यह कदम अहम व्यापार वार्ताओं से पहले भारत और ईयू के बीच मजबूत होते आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को रेखांकित करता है।

यह पहला अवसर है, जब यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व को एक साथ भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित किया गया है, जो ब्रसेल्स के साथ नई दिल्ली के संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

यह निमंत्रण कई मायनों में ऐतिहासिक है। बीते दशकों में भारत ने कई नेताओं की मेजबानी की है, लेकिन यह पहला अवसर है, जब यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सामूहिक रूप से ईयू के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे।

भारत ने 1950 से अब तक प्रत्येक गणतंत्र दिवस परेड में केवल एक ही नेता को आमंत्रित किया है। ज्ञातव्य है कि 1952, 1953, 1966 और 2022 में किसी अतिथि को आमन्त्रित नहीं किया।

'10 साल में ए.आई. के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जाए, तो ए.आई. हेल्थकेयर को रिएक्टिव ट्रीटमेंट से प्रिवेंटिव केयर में बदलने में मदद कर सकता है, जिससे लागत को नियंत्रित करते हुए परिणाम बेहतर होंगे।

फाइनेंशियल सर्विसेज़ में, ए.आई. से क्रेडिट तक पहुंच आसान हो सकती है, जोखिम मूल्यांकन में सुधार और पर्सनलाइज़्ड फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का विस्तार होने की उम्मीद है, खासकर उन व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के लिए, जिनके पास बैंकिंग सुविधाएं कम हैं। इस बीच, रिटेल में स्मार्ट सप्लाई चेन, मांग पूर्वानुमान और हाइपर-पर्सनलाइज़्ड कस्टमर एंगेजमेंट के माध्यम से लाभ देखा जा सकता है, जिससे दक्षता और खपत दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

पी.डब्ल्यु.सी. के फ्रेमवर्क का जोर खासियत ए.आई. को शामिल करने पर है। फर्म का कहना है कि भारत की ताकतें, उसके विशाल और अलग-अलग तरह के डेटा सेट, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे आधार, यू.पी.आई. और इंडिया स्टैक, और टेक टैलेंट का बड़ा पूल, देश को ऐसी ए.आई. प्रणालियाँ बनाने में सक्षम बनाती हैं, जो अलग-अलग भाषाओं, साक्षरता स्तरों और आय वर्गों के लिए काम कर सकें। अगर भारत इसे सही तरीके से करता है, तो यह दुनिया को ए.आई. डेवलपमेंट का एक काउंटर-मॉडल दे सकता है, जिस पर अभी कुछ विकसित देशों और बड़ी टैक कंपनियों का दबदबा है।

पी.डब्ल्यु.सी. यह भी चेतावनी देता है कि 550 बिलियन अमेरिकी डॉलर के इस अवसर को हासिल करने के लिए मिलकर काम करने की ज़रूरत होगी। इसके लिए डिजिटल और भौतिक ढांचे में लगातार निवेश, बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण, मज़बूत डेटा गवर्नेंस व्यवस्था और नैतिक और ज़िम्मेदार ए.आई. इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियम आवश्यक हैं। इनके बिना, ए.आई. साझा समृद्धि का जरिया बनने के बजाय असमानता का एक और स्रोत बन सकता है।

सबसे ज़रूरी बात, कंपनी की रिपोर्ट ए.आई. को इंसानी श्रम के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑग्मेंटेशन टूल के रूप में देखती है, एक ऐसा टूल, जो भारत जैसी श्रम-प्रधान अर्थव्यवस्था में उत्पादकता बढ़ा सकता है, न कि उसे खत्म कर सकता है। पी.डब्ल्यु.सी. का तर्क है कि यहीं भारत के वैश्विक नेतृत्व का अवसर छिपा है, यह दिखाना कि ए.आई. को आबादी के बड़े पैमाने पर कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, जबकि, साथ ही साथ यह किफायती हो, सुलभ हो और सामाजिक रूप से जुड़ा रहे।

जैसे-जैसे देश अपनी ए.आई. रणनीतियों को परिभाषित करने की होड़ में हैं, पी.डब्ल्यु.सी. का आकलन बताता है कि भारत के सामने अब यह चुनौती नहीं है कि वह ए.आई. अपनाएगा या नहीं, बल्कि यह है कि वह इसे कैसे करेगा। अगर इसे समावेशन, गवर्नेंस और पैमाने के साथ जोड़ा जाए, तो ए.आई. न सिर्फ विकास को गति देने वाला बन सकता है, बल्कि अगले दशक में भारत की आर्थिक कहानी का एक निर्णायक स्तंभ भी बन सकता है।

वंदे मातरम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शक्तिशाली उद्घोष बना था। अब सरकार इसे उस स्थिति में पुनः स्थापित करना चाहती है, जिसे वह राष्ट्रीय गौरव का मूल स्वरूप मानती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908